सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14 अंक - 253 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 26 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

बिलासपुर कलेक्टर ने मोपका के किसान उमेंद्र साहू की शिकायत पर दिए जांच के निर्देश

रायपुर। बिलासपुर कलेक्टर सौरभ कुमार के समक्ष बिलासपुर के मोपका निवासी उमेंद्र साहू ने 23 जून को लिखित में शिकायत दी थी कि ग्राम मोपका स्थित उसकी भूमि खसरा नंबर 1357 के मेड को तोड़ कर समीप के भू-धारक शेरू असलम और मोहसिन खान ने अपनी भूमि में मिलाकर समतल कर दिया है और उसे धमकी दे रहा है कि यह जमीन उसकी अपनी जमीन है। कलेक्टर ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्यवाही करने के लिए पत्र एसडीएम बिलासपुर को प्रसारित किया।

एसडीएम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए धारा 145 का आदेश किया जारी

एसडीएम बिलासपुर ने शिकायत पत्र का संज्ञान लेते हुए धारा 145 सीआरपीसी के तहत मौके पर यथा स्थिति बनाये रखने का आदेश प्रसारित किया है और सुनवाई के लिए दोनों पक्षों को अपने अपने दस्तावेज सहित 28 जून 2023 को कार्यालय बुलाया है। पुलिस को घटना का संज्ञान लेकर प्रतिवेदन देने और नगर निगम बिलासपुर को संज्ञान लेते हुए अनियमित विकास के संबंध में विधि सम्मत कार्यवाही करने हेतु लेख किया गया है। शिकायत पत्र में किसान उमेद साहू ने शेरू असलम के विरुद्ध शिकायत किया है किंतु भूमि मोहसिन खान के नाम पर होने से मोहसिन खान को नोटिस जारी किया गया है थाना सरकंडा ने शेरू असलम के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही का इस्तगासा प्रस्तुत किया है।

लगने वाला है महंगाई का करंट 10 फीसदी तक बढ़ सकते हैं बिजली के दाम, डीईआरसी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में अब बिजली महंगी हो सकती है। दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) ने पीपीएसी (पावर परचेज एग्रीमेंट कॉस्ट) के माध्यम से दिल्ली में बिजली शुल्क बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। जिसके बाद अब बीएसईएस क्षेत्रों में बिजली की खपत लगभग 10 फीसदी तक महंगी हो जाएगी। हालांकि, इसपर अंतिम फैसला दिल्ली सरकार को लेना है।

छत्तीसगढ़ में शुरू हुई 4318 बालवाड़ियां, शाला प्रवेशोत्सव के दौरान सीएम बघेल ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सोमवार से 4318 नई बालवाडियां शुरू हो गई। शाला प्रवेशोत्सव के मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बालवाड़ी योजना के दूसरे चरण में 4318 बालवाड़ियों का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत पहले चरण में प्रदेश में 5173 बालवाड़ी खोले गए थे। नई बालवाड़ियों के शुरू होने के बाद अब इनकी संख्या बढ़कर 9491 हो गई है। शाला प्रवेशोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने शाला प्रवेशोत्सव के मौके पर स्कूली बच्चों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर तथा उन्हें मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश कराया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों को गणवेश, पुस्तकें तथा स्कूल बैग का भी वितरण किया। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, प्राचार्यों और अभिभावकों को नये शिक्षा सत्र के शुभारंभ और शाला प्रवेशोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि यही बच्चे हमारा भविष्य हैं और इन बच्चों को शिक्षा का उचित वातावरण देना हमारी जिम्मेदारी है ताकि इनका पढ़ाई में मन लगा रहे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आज के दौर में स्कूलों में शिक्षा का वातावरण बनाना जरूरी है। बच्चों को शिक्षा के साथ खेलकूद और अनुशासन पर भी ध्यान देना है। प्रत्येक स्कूल शिक्षा का मंदिर होता है और इस मंदिर को भी हमेशा साफ सुथरा रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वामी आत्मानंद स्कूलों के खुलने से राज्य में शिक्षा के प्रति फिर से रूझान बढ़ा है और वर्तमान में प्रत्येक वर्ग के लोग अपने बच्चों को इन स्कूलों में पढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं।

स्कूल के जीर्णोद्धार के लिए 5 करोड़ रुपए स्वीकृत

मुख्यमंत्री ने प्रो जेएन पांडेय शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम स्कूल के जीर्णोद्धार के लिए 5 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत करते हुए कहा कि शिक्षा के मंदिरों को सुदृढ़ और सुंदर बनाने के लिए राशि की कभी कभी भी आड़े नहीं आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रदेश के स्कूलों के जीर्णोद्धार और मरम्मत के लिए बजट में 12 सौ करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की थी। इस राशि से वर्तमान में 23 हजार स्कूलों में काम चल रहा है।

ऐतिहासिक स्कूल, यहां से मिले हैं 4 मुख्यमंत्री और एक उपराष्ट्रपति

प्रो. जेएन पांडेय स्कूल एक ऐतिहासिक स्कूल है। इस स्कूल की स्थापना सन 1864 में हुई थी और ये स्कूल कभी कलकत्ता विश्वविद्यालय तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से भी संबद्ध रहा है। इस स्कूल ने राज्य को चार मुख्यमंत्री दिए हैं। स्व. पं. रविशंकर शुक्ल, स्व. द्वारका प्रसाद मिश्रा, स्व. श्यामा चरण शुक्ल तथा स्व. मोती लाल वोरा इसी स्कूल के विद्यार्थी रहे हैं। इसके साथ ही देश के पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. हिदायतुल्ला भी इसी स्कूल के विद्यार्थी रहे हैं।

शाला प्रवेशोत्सव के मौके पर छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष एवं विधायक कुलदीप जुनेजा, रायपुर नगर निगम के महापौर ऐजाज ढेबर, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास, शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव आलोक शुक्ला, शिक्षा विभाग के सचिव डॉ एस भारती दासन समेत विभाग के अधिकारी तथा स्कूलों के विद्यार्थी, शिक्षक, प्राचार्य एवं अभिभावक मौजूद थे।

मानसून अलर्टः छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश की चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री हो चुकी है। प्रदेश के कई जिलों में झमाझम बारिश हो रही है। वहीं तापमान में लगातार गिरावट जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ में 24 और 48 घंटों के लिए भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसे लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश हो रही है। 24 और 48 घंटें के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। लोगों को बारिश से बचने के लिए पेड़ों का सहारा नहीं लेने को कहा गया है। तेज आंधी भी चलने की संभावना है। गरज-चमक के साथ वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गई है।

देशभर में शनिवार को दक्षिण पश्चिम मानसून का प्रवेश हो गया है और मानसून प्रवेश होते ही गर्मी से बड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दो दिनों में अब प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में भारी से अति भारी वर्षा होगी। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि जून का आखिरी सप्ताह लोगों के लिए राहत भरा रहने वाला है और बादल व बारिश की वजह से वातावरण में भी ठंडकता आएगी। इसके साथ ही प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में भारी से अति भारी वर्षा की संभावना बनी हुई है।

सांसद ज्योत्सना महंत ने कहा- कोरबा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना गौरव की बात, एमबीबीएस के लिए 125 सीटों की अनुमति

कोरबा (एसकेपी न्यूज)। बिसाहूदास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कोरबा को दूसरे वर्ष राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग नई दिल्ली से वर्ष 2023-24 के लिए नवीनीकरण करते हुए एमबीबीएस के 125 सीटों की अनुमति प्रदान किए जाने पर कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

सांसद ज्योत्सना महंत ने कहा है कि कोरबा में शासकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना बड़े की गौरव की बात है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रयासों से कोरबा में मेडिकल कॉलेज के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा किया गया। दूसरे वर्ष मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा अध्ययन के लिए एमबीबीएस की 125 सीटों पर अनुमति मिल जाने से निश्चित ही यह चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में अपना करियर बनाने वाले छात्र-छात्राओं के लिए हर्ष का विषय है। नई सुविधा प्रदान होने से विद्यार्थी एक नया मुकाम हासिल करेंगे।

सांसद ने कहा है कि अपने ही जिले में चिकित्सा अध्ययन की सुविधा मिलने से यहां के प्रतिभावान विद्यार्थियों को दूसरे बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा और उनके अभिभावकों को भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ से काफी हद तक निजात मिलेगी।

सरकार कर रही, समाज की भी जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

शिक्षा का प्रसार और शिक्षा की गुणवत्ता दो अलग-अलग मुद्दे हैं। सरकार शिक्षा सुविधा का विस्तार कर सकती है पर शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए वह सिवाय निर्देश देने के ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। यह जिम्मेदारी समाज की है कि वह शिक्षा को लेकर संवेदनशील हो। शिक्षा सत्र का आरंभ विद्यार्थियों को तिलक लगाकर उनका सम्मान करने के साथ शुरू तो होती है पर इसके बाद कभी शिक्षक गायब तो कभी विद्यार्थी। छत्तीसगढ़ में स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए अनेक उपाय किये गये हैं। पिछले चार-साढ़े चार साल में तो ऐसा महसूस हुआ कि छत्तीसगढ़ का गठन अभी-अभी हुआ है। जुलाई 2020 में पहला आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय प्रारंभ हुआ। अब इनकी संख्या 727 हो गई है। इनमें अंग्रेजी माध्यम के 377 और हिन्दी माध्यम के 350 स्कूल शामिल हैं। नए शिक्षा सत्र से एक और अभिनव प्रयोग प्रारंभ हुआ है। शिक्षाविद काफी समय से कहते आ रहे हैं कि प्राथमिक शिक्षा स्थानीय बोली अथवा भाषा में होनी चाहिए। छत्तीसगढ़ ने इस दिशा में भी पहल की है। 20 भाषा-बोलियों में द्वि-भाषीय पुस्तकें तैयार की गई हैं, ताकि बच्चे मातृभाषा में पढ़ाई शुरू कर सकें। इसकी शुरुआत बालवाड़ियों से होगी। पिछले वर्ष राज्य में 5173 बालवाड़ियां शुरू की गई थी। इस साल 4318 बालवाड़ियां और खोली जा रही हैं जिससे इनकी संख्या बढ़कर 9491 हो जाएगी। स्कूल खुलते ही बच्चों को मुफ्त पुस्तकें, गणवेश आदि मिल जाएंगे। 9वीं में दाखिला लेने वाली छात्राओं को साइकिलें मिल जाएंगी। 'मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना' के तहत 29 हजार 284 स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए लगभग 2 हजार करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह तो हुआ सुविधाओं का विस्तार। पर स्कूलों में पूर्ण अनुशासन के साथ पढ़ना-पढ़ाना भी हो, इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? मध्यान्ह भोजन योजना के क्रियान्वयन से महिला स्व-सहायता समूहों को जोड़ने के सुखद परिणाम आए थे। इससे बच्चों के साथ ही शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने में मदद मिली थी। भोजन की गुणवत्ता के साथ ही उपस्थिति में सुधार हुआ था। पर उनकी अपनी सीमाएं थीं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अब सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे नजदीक के विद्यालयो में जाकर बच्चों का मनोबल बढ़ाएं और शिक्षकों के साथ शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता को सुधारने में लगातार सहयोग भी करें। स्थानीय अधिकारियों, जिनमें आईएएस और आईपीएस भी शामिल थे, ने स्कूलों में जाना प्रारंभ किया था जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए थे। समाज में बड़ी संख्या में ऐसे अवकाश प्राप्त ज्येष्ठ नागरिक भी हैं जिनकी मदद ली जा सकती है। एक ऐसी व्यवस्था बननी चाहिए जिसमें स्कूल की परिधि में रहने वाले ऐसे पूर्व शिक्षकों, वरिष्ठ नागरिकों की पहचान कर उन्हें स्कूल में आमंत्रित करने का रास्ता निकाला जा सके। इनमें से जो भी स्वेच्छा से स्कूल में अपने विषय की क्लास लेना चाहें, प्राचार्य उन्हें बेखटके इसकी अनुमति दे सकें। यह भी राष्ट्र की सेवा होगी।

हर्ष मीडिया एडवरटाईजर्स के
बढ़ते कदम....

LED SCREEN
के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए
संपर्क करे

शॉप-12, प्रेस परिसर, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
शहीद भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

अब राजधानी रायपुर सहित
पूरे प्रदेश में....

- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- जयस्तंभ चौक, सिन्धु सदन, किरण होटल, रायपुर, जिला-रायपुर
- संदेश बन्धु बिल्डिंग परिसर, वीआईपी चौक मोड, वार्ड क्रमांक-51, तेलीबांधा, रायपुर, जिला-रायपुर
- पचपेड़ी नाका चौक, रायपुर, जिला-रायपुर
- मिलन स्वीट्स, रेलवे स्टेशन चौक, रायपुर
- नेशनल हाईवे-53, पावर हाउस रेलवे स्टेशन, भिलाई, जिला-दुर्ग
- पाटन पुल,उतई (मा. मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र), जिला-दुर्ग
- आकाशगंगा चौपाटी, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
- सिरसा गेट चौक, भिलाई-3, जिला दुर्ग
- अग्रसेन चौक, बिलासपुर, जिला - बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, टिकट काउंटर के सामने, गेट नं.-03, बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म नं.-01, गेट नं.-04, बिलासपुर
- पड़ाव चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली
- दाऊपारा चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली

Harsh Media Advertisers

Contact_-
9303289950
9131425618
9827806026

शोक-सन्देश

अवतरण
28.12.1947

निर्वाण
23.06.2023

स्व. विद्यारतन भसीन जी
विधायक, वैशाली नगर वि.स.

जनसेवा जिसका मंदिर था, स्नेह जिसकी शक्ति थी।
परिश्रम जिसका कर्त्तव्य था, परमार्थ जिसकी भक्ति थी।
सादर श्रद्धांजलि हे जननायक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि
मेरे पूज्य पति श्री विद्यारतन भसीन जी का आकस्मिक देवलोक गमन
दिनांक 23.06.2023. दिन-शुक्रवार को हो गया है ।
जिनका कार्यक्रम निम्रानुसार है:-

शोक-सभा
दिनांक : 26 जून 2023, सोमवार
समय : दोपहर 3 से 4 बजे
स्थान : विद्या भवन, शासकीय कन्या उच्च. माध्य. शाला
गोल मार्केट, वैशाली नगर, भिलाई-दुर्ग (छ.ग.)

शोकाकुल परिवार :-
संजय - दिव्या मक्कड़ (दामाद-बेटी)
मोहित - शक्ति खेड़ा (दामाद-बेटी)
आशा - गुलशन कोहली (बहन-जीजा)
ऋषि भसीन (भतीजा), अयांश, अवयुक्त (पोते)
तमन्ना, आराध्या (नातिन)

विनीत :
श्रीमती चंदर भसीन

जिन स्वजनों को सूचना न मिलें हो, वे कृपया इसे ही सूचना जानें।

संपादकीय

मानसून का स्वागत

भारत में मानसून किसी महोत्सव से कम नहीं है। यहां सदा से मानसून का इंतजार रहा है। छह दशक बाद यह सुखद संयोग बना है कि देश की राजनीतिक राजधानी दिल्ली के साथ ही देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई को भी एक ही दिन मानसून की बौछार हासिल हुई है। इन महानगरों में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत की घोषणा के साथ ही देश के एक बड़े इलाके में खुशी का संचार हो गया है। मुंबई को मानसून के लिए तय समय से 14 दिन ज्यादा इंतजार करना पड़ा, वहीं दिल्ली को तय समय से दो दिन पहले ही मानसून नसीब हो गया। क्या दोनों जगहों पर एक साथ मानसून के आने का कोई अर्थ है? पिछली बार जब दोनों शहरों में 21 जून, 1961 को मानसून आया था, तब बारिश की क्या स्थिति थी? क्या इस बार मुंबई या महाराष्ट्र में सामान्य से कम बारिश होने वाली है? इस बार दिल्ली और आसपास के इलाकों को जून के महीने में ज्यादा बारिश मिलने की उम्मीद है। आगामी दिनों में उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ मैदानी इलाकों को छोड़कर बाकी हर जगह बारिश के आसार हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर ज्यादा वर्षा की आशंका है, तो जाहिर है, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को ज्यादा सावधान रहना होगा। खासकर बिजली गिरने और तूफान की आशंका के मद्देनजर लोगों को सतर्क रहना चाहिए। शुरुआती बारिश की तीव्रता ज्यादा होती है और लोग आपदाओं का सही अनुमान नहीं लगा पाते हैं। आने वाले दिनों में लोगों को मौसम संबंधी अनुमानों पर खास निगाह रखनी चाहिए। किसी भी यात्रा पर निकलने से पहले सुविधा-असुविधा सोचकर पूरी तैयारी से निकलना चाहिए। देश ने अपने पश्चिम तट पर हाल ही में बिपरजॉय चक्रवात को झेला है और इसमें हुई न्यूनतम जनहानि से हमें सीखना चाहिए। चूंकि हम सतर्क थे, इसलिए हमें कम से कम नुकसान हुआ। ठीक इसी तरह की सतर्कता मानसून के समय भी जरूरी है। ध्यान देने की बात है कि ज्यादा बारिश होगी, तो जगह-जगह बाढ़ की भी स्थिति बनेगी। ऐसे में, अपने जीवन को बचाना सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी तरह का खतरा लेना उचित नहीं है। आपदा प्रबंधन से जुड़े लोगों को भी समय रहते अपनी तैयारी मुकम्मल कर लेनी चाहिए। दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने देश की ताकत है और इस ताकत का पूरा लाभ लेने की दिशा में हमें गंभीरता से काम करना चाहिए। यह जल संरक्षण और पौधरोपण का भी समय है। जल संरक्षण के तमाम साधनों को सक्रिय कर देना चाहिए। जल भराव से बचने का एक तरीका यह है कि जल को किसी जलाशय या नदी तक पहुंचने का रास्ता दे दिया जाए। खासकर मुंबई, दिल्ली और अन्य बड़े शहरों में जल भराव एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। थोड़ी सी बारिश होती है और देश के अच्छे-अच्छे शहरों की पोल खुलने लगती है। गौर करने की बात यह भी है कि हमारे यहां बहुत पानी बर्बाद होता है। अनेक नदियों तक पूरा पानी नहीं पहुंच पाता और वो प्यासी रह जाती हैं। जल संरक्षण के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए यह परीक्षा का समय है। इसके साथ ही मानसून मौसमी बीमारियों को भी बढ़ाता है। अभी उत्तर प्रदेश और बिहार के एक बड़े इलाके में लोग लू या गर्मी के चलते सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, मतलब हम मौसम के अनुकूल जीवन बनाने में विफल हुए हैं। अब बारिश के समय हमें मौसम के अनुकूल ही चलने की जरूरत है, ताकि मानसून का समय महोत्सव सिद्ध हो।

“ दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने देश की ताकत है और इस ताकत का पूरा लाभ लेने की दिशा में हमें गंभीरता से काम करना चाहिए। यह जल संरक्षण और पौधरोपण का भी समय है। जल संरक्षण के तमाम साधनों को सक्रिय कर देना चाहिए। जल भराव से बचने का एक तरीका यह है कि जल को किसी जलाशय या नदी तक पहुंचने का रास्ता दे दिया जाए। खासकर मुंबई, दिल्ली और अन्य बड़े शहरों में जल भराव एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। थोड़ी सी बारिश होती है और देश के अच्छे-अच्छे शहरों की पोल खुलने लगती है।

पर्यावरण को लेकर सजगता

यह प्रक्रिया उस इलाके के भूजल के संतुलन को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। हो सकता है कि प्राचीन परंपरा में शिवलिंग पर जल चढ़ाने का असली मकसद इसी तरह भविष्य के प्रकृति-प्रकोप के हालात में जल को सहेज कर रखना हुआ करता हो। उस काल में मंदिरों में नाली तो होती नहीं थी, यह एक सहज प्रयोग है और बहुत कम व्यय में शुरू किया जा सकता है। यदि दस हजार मंदिर इसे अपनाते हैं, और हर मंदिर में औसतन एक हजार लीटर पानी प्रति दिन शिवलिंग पर आता है, तो गणित लगा लें हर महीने कितने अधिक जल से धरती तर रहेगी।

जयपुर के इस शिवमंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां शिवजी की प्रतिमा भूमि के भीतर से अवतरित हुई है। चौड़ा रास्ता स्थित इस मंदिर का निर्माण 1784ईस्वीं में किया गया था। मुख्य शिवलिंग काले पत्थर का बना है। इसका व्यास 9 इंच है। इस मंदिर से पाराशर व्यास परिवार का संबंध है, और नित्य पूजा- अर्चना इसी परिवार द्वारा की जाती है।

मंदिर का फर्श संगमरमर का है। चौक के पास ही जगमोहन सभा हॉल है। इस हॉल में चार विशाल घंटे हैं, जिनमें प्रत्येक का वजन 125 किग्रा. है। यहां एक पीतल का नंदी बैल है, और गणोशजी की भी प्रतिमा है, जिनकी सूंड बाई ओर है। शायद इसी मंदिर से प्रेरणा पा कर जयपुर के ही ज्योतिषी और सामाजिक कार्यकर्ता पंडित पुरुषोत्तम गौड़ ने पिछले दो दशकों में राजस्थान के करीब 300 मंदिरों में जल संरक्षण ढांचे का विकास किया है। समाज सेवा और ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने के लिए गौड़ को महाराणा मेवाड़ अवार्ड समेत कई सम्मानों से नवाजा जा चुका है। गौड़ ने बताया कि 2000 में उन्होंने अपना जलाभिषेक अभियान शुरू किया। वे मंदिरों में 30 फुट गहरा गड्ढा बनवाते हैं, और शिवलिग से आने वाले पानी को रेत के फिल्टरों से गुजार कर जमीन में उतारते हैं। इसके अलावा, प्रतिमाओं पर चढ़ाए जाने वाले दूध को जमा करने के लिए पांच फुट के गड्ढे की अलग से जरूरत पड़ी। हिसाब लगाया गया था कि शहर में 300 से ज्यादा मंदिर हैं, जहां श्रावण महीने में रोजाना कम से कम चार करोड़ 50 लाख लीटर जल भगवान शिव और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं पर अर्पित किया जाता है। इससे जल संरक्षण तो हुआ ही मंदिरों के आसपास रहने वाली कीचड़, गंदगी से भी छुटकारा मिला। ठीक ऐसा ही प्रयोग लखनऊ के सदर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में भी किया गया। यहां भगवान शंकर के जलाभिषेक के बाद जल नालियों की बजाय सीधे जमीन के अंदर जाता है। कोई 160 साल पुराने इस मंदिर का 2014 में जीर्णोद्धार किया गया। बारह ज्योतिर्लिंग की स्थापना उनके मूल स्वरूप के अनुसार की गई है। यहां करीब 40 फीट गहरे सोख्ते में सिर्फ अभिषेक का जल जाता है जबकि दूध और पूजन सामग्री का अलग इस्तेमाल किया जाता है। बेलपत्र और फूलों को एकत्रित कर खाद बनाई जाती है। चढ़ाए गए दूध से बनी खीर का वितरण प्रसाद के रूप में होता है। यहीं मनकामेश्वर मंदिर में भी सोख्ते का निर्माण किया गया है। यहां चढ़े फूलों से अगरबत्ती बनाई जाती है। वहीं बेलपत्र और अन्य पूजन सामग्री को खाद बनाने के लिए उपयोग में लाया जाता है। बड़ा शिवाला और छोटा शिवाला में चढ़ने वाले दूध की बनी खीर भक्तों में वितरित की जाती है, और जल को भूमिगत किया जाता है। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिला मुख्यालय पर स्थित प्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी मंदिर में चढ़ने वाले फूल अब व्यर्थ नहीं जाते। इनसे जैविक खाद बनाई जा रही है। इसके लिए केंचुए लाए गए हैं। इस खाद को पास के गांव वाले श्रद्धा से ले जा रहे हैं, और अपने खेतों में इस आस्था के साथ इस्तेमाल कर रहे हैं कि देवी कृपा से उनकी फसल अच्छी रहेगी।

“ सन् 1967 में इजरायल के साथ युद्ध में मिस्र पराजित हुआ, जिसके कारण नासिर और मिस्र की साख अरब दुनिया व विकासशील देशों में कम हुई। सन् 1970 में नासिर के देहांत के बाद अनवर अल-सादात ने उनकी जगह ली। सादात ने मिस्र की विदेश नीति को एक नया मोड़ दिया। पहले तो उन्होंने 1973 में इजरायल से युद्ध के जरिये मिस्र की कुछ भूमि और साख वापस पाने की कोशिश की।

बीतने लगा भारत-मिस्र दूरियों का दौर

विवेक काटजू, पूर्व राजनयिक

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो दिवसीय दौरे पर काहिरा पहुंचना और वहां मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के साथ मिलकर आपसी रिश्ते को हर दिशा में मजबूत करने का वादा करना अस्वाभाविक नहीं है। अल-सिसी इसी साल जनवरी में गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारत आए थे, जिसमें दोनों शीर्ष नेताओं ने कई अहम फैसले लिए थे, और द्विपक्षीय रिश्ते का स्तर ऊंचा करके सामरिक साझेदारी विकसित करने पर सहमति जताई थी। अल-सिसी की भारत-यात्रा के पांच महीने बाद ही प्रधानमंत्री मोदी मिस्र के राजकीय दौरे पर पहुंचे, और राष्ट्रपति को जी-20 के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बतौर विशेष अतिथि आमंत्रित भी किया। यह सम्मेलन इसी साल सितंबर में भारत में होने वाला है।

दुनिया में मिस्र का एक विशेष स्थान है। वह न सिर्फ अरब देशों में सबसे बड़ी आबादी वाला मुल्क है, बल्कि उसकी सभ्यता, संस्कृति और साहित्य का व्यापक प्रभाव अरब दुनिया के सभी हिस्सों पर पड़ा है। इस्लाम के नजरिये से भी उसकी एक खास हैसियत है। अल-अजहर विश्वविद्यालय के फतवे का खासा आदर किया जाता है। बेशक, मिस्र में कट्टरपंथी विचारधारा भी पनपी, जिसको इख्वान अल-मुस्लमीन (मुस्लिम ब्रदरहुड) ने बढ़ावा दिया। मगर अल-सिसी की हुकूमत और इससे पहले 1950 व 1960 के दशक में वहां के मशहूर नेता गमाल अब्देल नासिर ने पूरी कोशिश की कि ऐसी विचारधारा जड़ न जमा सके। यहां यह भी याद रखना चाहिए कि नासिर, नेहरू और टीटो ने ही गुटनिरपेक्ष आंदोलन को प्रोत्साहित किया था। यह वह जमाना था, जब भारत और मिस्र के संबंध में विशेष गर्मजोशी थी, और दोनों देश इस प्रयास में थे कि वे विश्व में औपनिवेशिक व्यवस्था को खत्म करके स्वतंत्र घरेलू व विदेश-नीति की राह चलें। दोनों देशों ने तब द्विपक्षीय आर्थिक और रक्षा सहयोग बढ़ाने का भी प्रयास किया, लेकिन इसमें उनको विशेष सफलता नहीं मिली थी।

सन् 1967 में इजरायल के साथ युद्ध में मिस्र पराजित हुआ, जिसके कारण नासिर और मिस्र की साख अरब दुनिया व विकासशील देशों में कम हुई। सन् 1970 में नासिर के देहांत के बाद अनवर अल-सादात ने उनकी जगह ली। सादात ने मिस्र की विदेश नीति को एक नया मोड़ दिया। पहले तो उन्होंने 1973 में इजरायल से युद्ध के जरिये मिस्र की कुछ भूमि और साख वापस पाने की कोशिश की। इसमें कुछ सफलता मिलने के बाद उन्होंने मिस्र के संबंध सोवियत संघ (अब रूस) से कम करके अमेरिका से बढ़ाना तय किया। 1977 में उन्होंने अरब दुनिया और विश्व को तब चौंका दिया, जब उन्होंने इजरायल का दौरा किया।

मुझे वह दिन व्यक्तिगत रूप से याद है, क्योंकि मैं उस जमाने में काहिरा में भारतीय दूतावास में नियुक्त था। इन घटनाक्रमों के बाद जहां अन्य अरब देश और कई इस्लामी मुल्कों ने मिस्र का बहिष्कार किया, वहीं दो साल बाद 1979 में अमेरिका की मध्यस्थता से मिस्र और इजरायल के संबंधों को सामान्य बनाने की राह भी तैयार हुई।

इस कारणवश मिस्र और भारत के रास्ते जुदा होने शुरू हुए। यह वह दौर था, जब पश्चिम एशिया में भी बड़ा बदलाव आया, जिसके चलते सऊदी अरब व खाड़ी के देशों की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बदल गई। ओपेक की स्थापना हुई और कच्चे तेल के दाम बढ़े। इन देशों को अपने निर्माण के लिए भारत की जरूरत महसूस हुई, और भारतीय व भारत की कंपनियां 1970 के दशक से ज्यादा से ज्यादा संख्या में वहां जाने लगीं। जाहिर है, इन सबके कारण भारत के हित स्वाभाविक तौर पर पश्चिम एशिया में मिस्र से कहीं ज्यादा सऊदी अरब, अमीरात, कुवैत व अन्य खाड़ी देशों के साथ जुड़े। निस्संदेह, गुटनिरपेक्ष आंदोलन एक प्रकार से चलता रहा, लेकिन पहले जो करीबी भारत और मिस्र में थी, वह कम हो गई। इसी का नतीजा है कि 1997 के बाद नरेंद्र मोदी ही पहले प्रधानमंत्री हैं, जो मिस्र की द्विपक्षीय यात्रा पर गए।

अब कोविड महामारी और चीन की नीतियों के चलते विश्व-व्यवस्था में बड़ा बदलाव आ रहा है। बीते तीन दशकों से भारत की अर्थव्यवस्था का काफी विस्तार हुआ है, और हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का यह भी अनुमान है कि जल्द ही भारत की अर्थव्यवस्था तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी। उद्योग के कई क्षेत्रों में भारत का लोहा अब दुनिया मानने लगी है। सूचना-प्रौद्योगिकी में तो हमने एक विशेष स्थान बनाया है। भारतीय कंपनियां अब दुनिया के विभिन्न भागों में निवेश कर रही हैं। चूंकि मिस्र को अपनी बढ़ती आबादी के कारण निवेश की दरकार है, इस कारण भी अल-सिसी सरकार ने भारत की ओर फिर से देखना शुरू किया है। हालांकि, वहां आज भी इख्वान अल-मुस्लमीन का काफी प्रभाव है, लेकिन न सिर्फ अल-सिसी की हुकूमत, बल्कि वहां की कई राष्ट्रवादी संस्थाएं भी इसके खिलाफ हैं।

भारत चूंकि करीब तीन दशकों से इस्लामी कट्टरवादी तंजीमों के निशाने पर है, इसलिए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत और मिस्र की खुफिया सेवाओं व विदेश मंत्रालयों के बीच इन मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ होगा। उन पर सहमति बनी होगी कि इस कट्टरपंथ को कैसे रोका जाए और इस्लामी कट्टरपंथी गुटों पर कैसे लगाम लगाई जाए? जैसे गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जमाने में भारत व मिस्र ने औपनिवेशिक व्यवस्था के खिलाफ और विकासशील देशों की उन्नति के लिए आवाज उठाई थी, वैसा ही कुछ आने वाले दिनों में भी हो सकता है। आज भारत वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करना चाहता है, और यहां के देश भी भारत की क्षमता को समझने लगे हैं, इसलिए उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की एक चुनौती भारत और मिस्र के सामने है।

मिस्र का उत्तरी अफ्रीकी भूभाग में एक विशेष स्थान है। अरब और इस्लामी दुनिया में भी वह खास हैसियत रखता है। वह एक विकाशील देश भी है, और विकासशील देशों की प्रगति, जो भारत चाहता है, उस रास्ते पर वह हमारा सहयोग कर सकता है। दोनों देशों के रिश्तों में अब जो गहराई और तीव्रता आ रही है, उससे प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति अल-सिसी निस्संदेह एक-दूसरे का सहयोग करना चाहते हैं। अब लग रहा है कि रिश्तों में दूरियों का दौर खत्म हो रहा है। दोनों देश, जो प्राचीन सभ्यताओं के भी प्रतीक हैं, एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अमेरिका के साथ चलते हुए कितने फायदे में भारत

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

भारत में बहुत बड़ा हिस्सा इस वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। खासकर अमेरिका की यात्रा पर प्रधानमंत्री ने जो बातचीत की, जो समझौते किए, और उनकी बातचीत के आगे-पीछे जो कारोबारी सौदे व सरकारी एलान हुए, उनमें सभी की दिलचस्पी है। उधर, अमेरिका का हाल भी अलग नहीं है। अमेरिकी सरकार और इस दौरे से जुड़े आयोजनों में शामिल व्यापारी व उद्योगपति शायद लगातार अपने आप से यही पूछ रहे थे कि इस यात्रा से हमें क्या मिला?

कभी शायद हम अपनी समस्याओं से निपटने में इतने मसरूफ रहा करते थे कि लगता ही नहीं था कि अमेरिका और इंग्लैंड जैसे अमीर देशों को भी भारत की जरूरत हो सकती है। मगर अब यह बात आसमान पर लिखी इबारत की तरह साफ दिखती है कि भारत को अमेरिका की जरूरत हो या न हो, अमेरिका को भारत की बहुत जरूरत है। यही वजह है कि भारत इस वक्त अमेरिका से कुछ ऐसी शर्तें मनवाने की हालत में भी है, जिन पर वह दशकों से अड़ा रहा है।

पहले तो सीधा हिसाब देखें कि इस दौरे में या इसके आस-पास कितने समझौते हुए? हल्ला वीजा, हवाई जहाज के इंजन व ड्रोन सौदों का ज्यादा था, पर जिसका शोर बढ़ा हुआ है, वह है गुजरात में 275 करोड़ डॉलर की लागत से बननेवाला चिप असेंबली और टेस्टिंग कारखाना। इसमें भारत सरकार आधे की और गुजरात सरकार 20 प्रतिशत की हिस्सेदार होगी, अमेरिकी कंपनी माइक्रॉन इसमें 82.5 करोड़ डॉलर लगाएगी।

एप्लाइड मटीरियल्स बेंगलुरु में अपने मौजूदा कारखाने के पास ही एक नया इंजीनियरिंग सेंटर खोलेगी। अगले चार साल में वह यहां 40 करोड़ डॉलर लगाएगी। कंपनी का कहना है कि पांच साल में इससे यहां दो अरब डॉलर का निवेश आने में मदद मिलेगी और करीब तीन हजार नए रोजगार पैदा होंगे, जिनमें से पांच सौ एडवांस्ड इंजीनियरिंग की नौकरियां होंगी, यानी अति कुशल इंजीनियरों को काम मिलेगा। इसी कारोबार में लगी लैम रिसर्च भारत में ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू कर रही है, जिसमें 60 हजार तक इंजीनियरों की ट्रेनिंग हो पाएगी।

व्यापार की नजर से देखें, तो चीन और ताइवान के कब्जेवाले माइक्रोचिप या सेमीकंडक्टर कारोबार में हुए तीन एलान भारत के लिए महत्वपूर्ण माने जा सकते हैं। यह अमेरिका के लिए भी एक बड़ी राहत है। सोवियत संघ के बिखरने के बाद एकध्रुवीय दुनिया में चीन अब अमेरिका के सामने दूसरे ध्रुव की तरह खड़ा होने की कोशिश ही नहीं कर रहा, बल्कि उसमें कामयाब होता दिखता है। अब अमेरिका समेत अनेक देश उससे निपटने या उससे बचने के तरीके ढूंढ़ रहे हैं। भारत उनके लिए एक नई उम्मीद बनकर सामने आया है। आज की परिस्थिति में, जब अमेरिका मंदी का खतरा टालने में जी-जान से जुटा है, उसे यह भी समझ में आ रहा है कि भारत के साथ व्यापारिक समझौते अब भारत की कम और उसकी खुद की मजबूरी ज्यादा हैं। भारत इस वक्त अमेरिका के लिए एक बड़ा बाजार और मेधावी वैज्ञानिकों, समाजशास्त्रियों और इंजीनियरों की सतत आपूर्ति करने वाला देश ही नहीं है। उसे यहां एक ऐसा सहयोगी भी दिख रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय शक्ति समीकरणों में शायद उसका सबसे जबर्दस्त सहयोगी भी बन सकता है। और वह भी तब, जबकि वह अमेरिका के साथ खड़ा भले ही न दिखे, बस उसके विरोधी के साथ खड़ा न हो जाए।

आज भारत बहुत तेजी से तरक्की कर रहा है, वह अमेरिका ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए कई कारणों से महत्वपूर्ण हो जाता है। शायद यही वजह है कि बरसों की जिद छोड़कर अमेरिका अब रक्षा तकनीक पर भी समझौते कर रहा है। तरक्की और रोजगार के मोर्चे पर इसका क्या असर हो सकता है, उसका अंदाजा इस बात से लग सकता है कि रूस से भारत ने जो लड़ाकू विमान और उपकरण खरीदे, उनकी मरम्मत व रख-रखाव के इंतजाम के लिए ही हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड या एचएएल जैसी विशाल कंपनी खड़ी हो गई। उम्मीद है, इस दौरे के बाद ऐसे अनेक उदाहरण दिखाई पड़ेंगे, और दोनों ही देशों में व्यापार व रोजगार बढ़ाने के मामले में यह यात्रा एक अहम पड़ाव साबित होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के लिए ऑप एड

डॉ. मनसुख मांडविया, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

हिंदुस्तान विविधताओं का देश है और विविधताओं में एकता यह हमारी पहचान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन विविधताओं को सजोएं रखने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत का मंत्र दिया है। हम एक ऐसे भारत की कल्पना को आगे बढ़ा रहे हैंए जहां पर एक-एक भारतीय को गुणवत्ता युक्त जीवन की चिंता की जाती है। समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक देश की आधुनकि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचा पाएंए इसके लिए भारत सरकार की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत में लगभग 706 विभिन्न जनजातियां हैं। जो कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत हैं। हमारी जनजातीय आबादी हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा हैं- भारत का अतीत वर्तमान और भविष्य आदिवासी समुदाय के बिना कभी भी पूरा नहीं होगा। भारत सरकार जनजातीय नैतिक मूल्य प्रणालियों परम्पराओंए सामाजिक, आर्थिक स्थितियों और जनजातीय संगठनों का समुचित संज्ञान लेकर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में जनजातीय आबादी के स्वास्थ्य और विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

भारत की जनजाति आबादी में सिकल सेल रोग एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है। सिकल सेल एक आनुवांशिक बीमारी हैए जिसमें व्यक्ति के रक्त कणों को आकार विकृत होकर दराती जैसा हो जाता है। यह बीमारी सामान्यतरू आदिवासी जनजाति में पाई जाती है। यह रोग हमारी जनजातियों के भविष्य और अस्तित्व के सामने बहुत बड़ा खतरा हैए इस रोग के प्रसार को समय पर रोकना अनिवार्य है। इस अनुवांशिक बीमारी को रोकने के लिए अभी तक जितने प्रयास होने चाहिए थेए उतने प्रयास पिछले सरकारों में नहीं हुए हैंए जिसके कारण दुनिया के अन्य देश जैसे कि इटली जापान इत्यादि ने इस रोग पर काबू कर लिया है लेकिन भारत आज भी इस रोग से लड़ रहा है। मैं खासतौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करना चाहूंगा जिन्होंने सिकल सेल की इस

चुनौती को खत्म करने के लिए वित्त वर्ष 2023.24 के केंद्रीय बजट में राष्ट्रीय अभियान “Sickle Cell Anaemia Elimination Mission 2047” शुरू करने की घोषणा की है। Sickle Cell बीमारी 2 तरह से इंसान के शरीर में रहती हैए एक Sickle Cell trait जिसमें मरीज को कोई बीमारी या लक्षण नहीं दिखते हैं और इंसान नॉर्मल जिंदगी जीता है। दूसरे में "Sickle Cell बीमारी के लक्षण पाए जाते हैं। देश के 13 राज्य राजस्थानए गुजरात मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलांगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र में यह बीमारी का high prevalence है, जबकि देश के 4 राज्य बिहार, असम, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश में इसका partial prevalence है। सिकल सेल रोग से पीड़ित व्यक्ति को बहुत सारी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करता हैं, जिनमें शरीर में दर्द रहना, कमजोरी रहना और खून की कमी जैसे कारणो से मरीज का पूरा जीवन बीमारी के बीच काटता हैं। सिकल सेल, निमिया रोग को खत्म करने के लिए दो पहल पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें पहला है- इस रोग की रोकथाम, ताकि आगे मरीज पैदा न हो और जो मरीज है उसके उपचार प्रबंधन और अच्छे स्वास्थ्य सुविधा कैसे उपलब्ध हो उसके लिए पूरा इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। अगर दो ऐसे इंसान शादी करते हैं, जो दोनों "Sickle Cell trait हैं, तो उनसे पैदा होने वाला बच्चा Sickle Cell बीमारी होने की संभावना बहुत है। अगर पहले से ही Sickle Cell का स्क्रीनिंग करके ऐसे 2 लोगों को शादी करने से रोका जाए तो यह बीमारी का प्रसार रूक सकता है। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जनजातीय मंत्रालय और राज्यों के साथ मिलकर अगले 2.3 साल में देश के 17 राज्यों के लगभग 200 जिलों में बस रही आदिवासी व अन्य समूह की 0.40 साल से कम आयु वाली 7 करोड़ जनसख्या को 3 साल में स्क्रीनिंग कर अमृतकाल में 2047 तक Sickle Cell बीमारी को खत्म करने की योजना बनाई है। स्क्रीनिंग के बाद सभी को उनकी स्थानीय भाषा में स्मार्ट कार्ड दिया जाएगा। जिससे शादी करने वाले लड़का और लड़की को आसानी से पता चल सकेगा कि शादी के बाद होने वाले बच्चें सिकल सेल से ग्रस्त होगें या नहीं।

इस पूरे कार्यक्रम को चलाने के लिए, जनभागीदारी को सुनिश्चित करने और बड़े पैमाने पर जागरूकता लाने के लिए अलग अलग स्तर पर मॉनिटरिंग मेकेनिज्म बनाया जाएगा। स्क्रीनिंग में बीमार पाए जाने वाले लोगों को नियमित रूप से टेस्टिंग हो, उपचार और दवाई मिले, अन्य रोगों की वैक्सीन लगे, डाइट सपोर्ट मिले और समय-समय पर काउंसिलिंग की सुविधा मिलती रहे, वह भी सुनिश्चित किया जाएगा। इस रोग से लड़ने के लिए सरकार ने पर्याप्त बजट आवंटन, उच्च तकनीक का इस्तेमाल, स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण, जरूरी इंफ्रास्ट्रचर, सामाजिक जागृति और सामाजिक हिस्सेदारी को सुनिश्चित करने के प्रयास किये हैं। यह एक मजबूत इच्छाशक्ति और नीतिगत फैसलों का परिणाम है। पहले से ही देश में आयुष्मान भारत योजना के जरिए, देश में 1.60 लाख हेल्थ एण्ड वैलनेस सेंटर का पूरा नेटवर्क 2014 के बाद तैयार किया गया है, जिसके जरिये हमने कोविड जैसी महामारी से लड़ाई लड़ी। यह सेंटर बाकि रोगों के साथ सिकल सेल रोग को खत्म करने में भी एहम भूमिका निभाएंगे। हमने सिकल सेल के मरीजो को बेहतर इलाज देने के लिए इन सेंटर में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जून, 2023 को सिकल सेल, निमिया उन्मूलन मिशन की लॉन्चिग मध्य प्रदेश से करेंगे। यह पहल सिकल सेल, निमिया की लड़ाई को बहुत मजबूती प्रदान करेगी। सिकल सेल के मरीजों का पूर्ण रूप से ट्रेकिंग करने के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए एक वेब पॉर्टल बनाया गया है, जिसमें उन मरीजों का परमानेंट रिकार्ड रहेगा। मुझे विश्वास है कि यह मिशन वर्ष 2047 तक सिकल सेल, निमिया के उन्मूलन का मार्ग प्रसश्त करेगा और भारत की जनजाति आबादी जो यह देश की विरासत को संजो, रखी है, वह आबादी का अस्तित्व सुरक्षित हो जाएगा।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:- 9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

खास खबर

सिहावा विधायक ने किया सामुदायिक भवन का लोकार्पण

नगरी। ग्राम पंचायत नवागांव (सांकरा) के खमनापारा में नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव के करकमलों से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक ने ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की भूपेश सरकार गांव गरीब, किसान और मजदूरों के हित को ध्यान में रखकर लगातार काम कर रही है। प्रदेश सरकार की न्याय योजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ें है। विधायक डॉ ध्रुव ने आगे कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार बीते 9 सालों में हर मोर्चे पर विफल रहीं है ना महंगाई कम हुई, ना युवाओं को रोजगार मिला। जीएसटी और नोटबंदी से लोग उभर नहीं पाए है। उक्त कार्यक्रम में ऋषि ओटी सरपंच ग्राम पंचायत नवागांव, भगवान सिंह नेताम अध्यक्ष आदिवासी गोड़वाना समाज महामाई फरसियां, मीना बंजारे सदस्य जिला पंचायत धमतरी, लखन लाल ध्रुव पीसीसी सदस्य, भूषण साहू अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगरी, वरिष्ठ कांग्रेसी कैलाश बिसेन, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रताप नाग, मंडी सदस्य राजेन्द्र सोनी, परदेशी राम कुंजाम, दिलीप मरकाम, धनेश मरकाम, लक्ष्मी नारायण मरकाम, अमरू नेताम, सेवती बाई मरकाम सहित समस्त वार्ड पंच और ग्रामवासी काफी संख्या में उपस्थित थे।

समर कैंप और छलांग ने बच्चों का मन मोह लिया

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी के नेतृत्व में जिले में चलाए गए समर कैंप ने स्कूली बच्चों सहित ग्रामीण बच्चों का मन मोह लिया। स्कूली बच्चों ने खेल-खेल में सामाजिक सहभागिता और सामूहिक खेल से अपना मानसिक और शारीरिक विकास किया। शिक्षकों ने भी बच्चों से सीखा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अंगना म शिक्षा और छलांग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। समर कैंप में गिल्ली डंडा, भौंरा, फुगड़ी, फैंसी ड्रेस, नृत्य, योगा, हेयर स्टाइल, मेंहदी, अभिनय, पेंटिंग, सिलाई-बुनाई आदि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चे इन खेलों में इतना रमा जाते थे कि समय कब गुजर गया पता नहीं चलता था। इन खेलों से बच्चों के लिए मोबाइल से दूर रहकर अन्य खेल या सृजनात्मक गतिविधियों में भाग लेने का सुनहरा मौका था, जिसका उन्होंने भरपूर उपयोग किया। दैनिक दिनचर्या की वस्तुओं से गणित के गिनती, जोड़, घटाना और कहानियां आदि समर कैंप और छलांग कार्यक्रम का हिस्सा था। इन गतिविधियों से बच्चों की छुपी प्रतिभाएं बाहर आयी हैं। समर कैंप और छलांग का आयोजन से बच्चों के बहुमुखी प्रतिभा को उभारने के लिए एक प्लेटफार्म था, जिसका नेतृत्व सभी शिक्षकों ने बखूबी किया। यहां तक शिक्षकों ने यूट्यूब चैनल में बच्चों के डांस या अन्य गतिविधियों को अपलोड भी किया है।

विकास कार्यों से निखरी सुकमा की तस्वीर, अब देर रात जाने में नहीं लगता लोगों को डर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीते चार सालों में सुकमा जिले में बड़े पैमाने पर विकास कार्य किये गये हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़कें जैसी अधोसंरचना मजबूत की गई और सुरक्षा व्यवस्था भी दृढ़ की गई। पहले देर रात सुकमा के लिए जाने में लोगों के मन में आशंका रहती थी। अब लोग नि:संकोच यात्रा करते हैं। यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुकमा जिले में वर्चुअल रूप से 303 करोड़ रुपए के लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम के अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि दक्षिण भारत से छत्तीसगढ़ में प्रवेश करने पर पहली विधानसभा सुकमा जिले का कोंटा है। हमने यहां सबके सहयोग से सुकमा जिले के विकास के लिए योजनाएं बनाईं और इसे क्रियान्वित किया। इन सालों में यहां बड़ा बदलाव आया है और इसे यहां पहुंचकर महसूस कर सकते हैं। हमने यहां सुरक्षा बेहतर की। जगरगुंडा में 13 साल बाद पुन: स्कूल आरंभ किया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 303.67 करोड़ रूपए की लागत के 131 विकास एवं निर्माण कार्यों की सौगात दी, जिसमें 63 करोड़ 56 लाख 27 हजार रूपए की लागत वाले 33 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 240 करोड़ 10 लाख 81 हजार रूपए की लागत वाले 98 विकास एवं निर्माण कार्यों का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि वे प्रत्यक्ष रूप से लोगों से मिलना चाहते थे लेकिन तेज बारिश की वजह से संभव नहीं हो पाया, इस बात का खेद है लेकिन वर्चुअल रूप से आप लोगों से जुड़ पाया, इस बात का संतोष है। सबसे अच्छी बात यह है कि बारिश हो रही है और हमारे प्रदेश के लिए यह बहुत उपयोगी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भेंट मुलाकात के दौरान मंत्री श्री कवासी लखमा ने सुकमा जिले में विकास कार्यों की जो मांगे रखी थीं, उन पर निर्णय लिये गये और अधोसंरचना की ठोस नींव यहां रखी गई है। आज शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना से संबंधित बड़े कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने कहा कि बस्तर फाइटर्स की भर्ती हो या तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए उचित दर हो, सभी विषयों पर हम काम कर रहे हैं। इस मौके पर आबकारी एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में साढ़े चार साल के दौरान प्रदेश में अधोसंरचना विकास के लिए बड़े काम हुए हैं। उन्होंने न केवल कर्जमाफी की और किसानों को धान का उचित मूल्य दिया अपितु प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान भी खरीदने का निर्णय लिया। सुकमा जिले में इस वर्ष 50 करोड़ 27 लाख रुपए का तेंदूपत्ता संग्रहित हुआ है जिसका लाभ वनवासियों को मिला है। बस्तर सांसद दीपक बैज ने अपने संबोधन में कहा कि हमने जब भी बस्तर की विकास योजनाओं के लिए बात की, मुख्यमंत्री ने इसे पूरा किया। बस्तर में लोगों के चहुमुंखी विकास के लिए बहुत अच्छा काम किया जा रहा है। बस्तर में हो रहे विकास कार्यों ने बस्तर को देश दुनिया के नक्शे में एक विशिष्ट पहचान दी है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कलेक्टर हरीश एस ने विस्तार से लोकार्पण और शिलान्यास कार्यों की जानकारी दी। सुकमा जिले में 303.67 करोड़ रुपये के मुख्यमंत्री द्वारा किए गए लोकार्पण और शिलान्यास कार्यों की सुकमा कलेक्टर हरीश एस ने अपने प्रतिवेदन में विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री की घोषणाएं- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जिला मुख्यालय सुकमा में खेल परिसर की घोषणा की। साथ ही उन्होंने उपस्वास्थ्य केन्द्र भेज्जी के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र किस्टाराम के लिए भवन की स्वीकृति, विकासखण्ड कोन्टा में 28 प्राथमिक शाला भवन का निर्माण, सेंट्रल लाइब्रेरी एवं बालक एवं कन्या के लिए यूथ हास्टल, बोडको में 100 सीटर आश्रम भवन का निर्माण की घोषणा की। उन्होंने मानकापाल में 100 सीटर आश्रम भवन का निर्माण, वृहद जल प्रदाय योजना छिन्दगढ़ का संचालन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से किये जाने और बी.एड./डी.एड कॉलेज सुकमा की स्वीकृति की घोषणा की। उन्होंने बस स्टैण्ड सुकमा के निर्माण कार्य के लिए 6 करोड़ रूपये की स्वीकृति, बस स्टेण्ड दोरनापाल के निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ रूपये की स्वीकृति भी दी। साथ ही उन्होंने प्री मैट्रिक बाल छात्रावास कुंदनपाल की स्वीकृति, बालक आश्रम डब्बाकोन्टा भवन की स्वीकृति, किस्टाराम में नवीन हाईस्कूल की स्वीकृति की घोषणा भी की।

बांकी मोगरा नगर पालिका शीघ्र अस्तित्व में आएगी, नागरिकों को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोरबा जिले में बांकी मोगरा नगर पालिका के गठन के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कटघोरा विधायक एवं मध्यक्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकारण के उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम कंवर के आग्रह पर यह निर्देश जारी किये।

गौरतलब है कि कटघोरा विधायक श्री कंवर ने मुख्यमंत्री से आज यहां उनके निवास कार्यालय में मुलाकात कर उनसे बांकी मोगरा शहर को नगर पालिका बनाने का आग्रह किया था। उन्होंने बताया कि बांकी मोगरा क्षेत्र के आठ वार्ड कोरबा नगर निगम के अंतर्गत आते हैं।

नवीन नगर पालिका के गठन से बांकी मोगरा में विकास कार्य तेजी से होंगे और क्षेत्र के नागरिकों को अच्छी सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने विधायक श्री कंवर के आग्रह पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को बांकी मोगरा नगर पालिका के गठन के लिए शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर में हुआ मदर्स पिकनिक का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। 23 जून 2023 को विकासखंड करतला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर में सी-3 इंडिया के सहयोग से भारत सरकार के सुरक्षित मातृत्व आश्वाशन सुमन कार्यक्रम अंतर्गत मदर्स पिकनिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गर्भवती माताओं को प्रसव के समय सुखद अनुभव कराने, गरिमामय स्वास्थ्य देखभाल व संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने हेतु गर्भवती माताओं को स्वास्थ्य केंद्रों मिलने वाली सुविधाओं से अवगत कराया गया जिसमे पंजीयन से लेकर,ताकि गर्भवती माताओं के मन में जो प्रसव के समय डर रहता है वह दूर हो और इसके साथ ही गर्भवती माता को सम्मानपूर्वक गरिमामय तरीके व निजता का ध्यान रखते हुए नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा मिल सके।

मदर्स पिकनिक में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अंशु अग्रवाल ने सामान्य प्रसव के वैकल्पिक तरीको को बताते हुए कहा कि प्रसव एक सामान्य प्रक्रिया है जिसे प्रकृति ने बनाया है, मदर्स पिकनिक को बढ़ावा देना चाहिए जिससे प्रथम गर्भवती माताओं को दवाइयों के लाभ, स्वास्थ्य केंद्र में मिलने वाली सुविधाओ की जानकारी हो और उनके मन में घबराहट को दूर कर नार्मल प्रसव किया जा सके। डॉ रश्मि सिंह के द्वारा सुमन कार्यक्रम के अंतर्गत गरिमामय स्वास्थ्य देखभाल, महिलाओं एवं नवजात शिशु के विश्वव्यापी 12 स्वास्थ्य अधिकार के बारे में संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

हाउसिंग बोर्ड बनाएगा 181 आवासीय मकान और 20 दुकानें, 54 सरकारी क्वार्टर्स भी बनेंगे

शहर के बीच केलो विहार में तैयार होगी 6.75 एकड़ की रिहायश, हटेगा पोल्ट्री फार्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। शहर के बीच केलो विहार के 6.75 एकड़ में पशुपालन विभाग का पोल्ट्री फार्म है। जो अब हटने जा रहा है। इस स्थान पर हाउसिंग बोर्ड आवासीय प्रोजेक्ट लेकर आने वाला जिसमें सरकारी क्वार्टर्स भी बनेंगे। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की विशेष पहल से यह प्रोजेक्ट शासन द्वारा स्वीकृत कर लिया गया है।

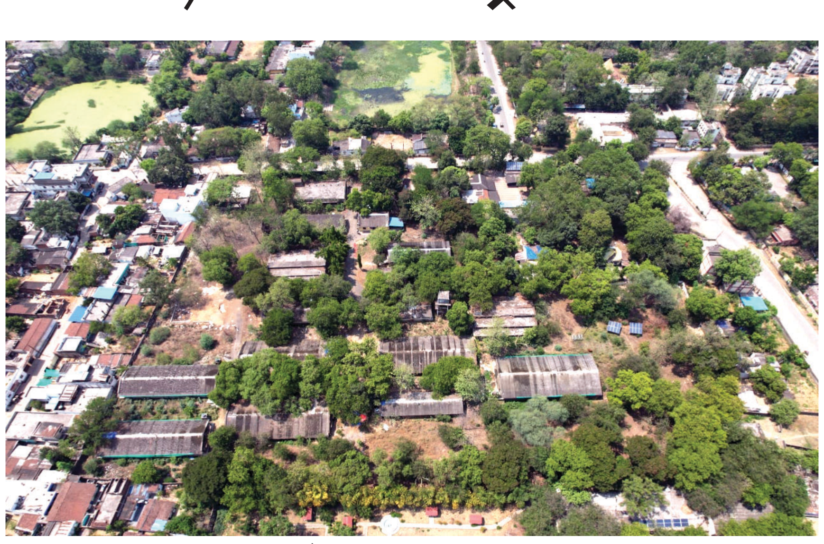

इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए कार्यपालन अभियंता हाउसिंग बोर्ड श्री शशिकांत शर्मा ने बताया कि रिडेवलपमेंट प्लान के तहत केलो विहार में स्थित पोल्ट्री फार्म को शिफ्ट किया जा रहा है। करीब 6.5 एकड़ जमीन यहां हाउसिंग बोर्ड को मिलेगी। जिसमें 5.50 एकड़ में हाउसिंग प्रोजेक्ट लॉन्च किया जाएगा। 1.25 एकड़ भूमि पर शासकीय आवास बनाए जायेंगे। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने रिडेवलपमेंट प्लान के तहत तैयार हो रहे प्रोजेक्ट के लिए विशेष पहल की।

जमीन का सर्वे कर प्रस्ताव तैयार किया गया। जिसे पास कर शासन के समक्ष मंत्री मंडल के उच्च अधिकार समिति को भेजा गया। वहां से भी प्रस्ताव को हरी झंडी मिल चुकी है। जिसके बाद भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जो अगले 1 माह में पूरी कर ली जाएगी। ईई हाउसिंग बोर्ड श्री शशिकांत शर्मा ने बताया कि आर्किटेक्ट प्लान के साथ अगले 2 माह में प्रोजेक्ट को शुरू करने की तैयारी चल रही है। ईई हाउसिंग बोर्ड शशिकांत शर्मा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में लगभग 85 एमआईजी डुप्लेक्स इंडिविजुअल मकान, 48 एमआईजी फ्लैट्स और 48 एलआईजी फ्लैट्स बनाए जायेंगे। अलावे इसके यहां 20 दुकानें भी बनाई जाएंगी। प्रोजेक्ट में क्लब हाउस, गार्डन, पार्किंग इत्यादि सुविधाएं भी रहेंगी। शेष 1.25 एकड़ में 54 शासकीय आवास तैयार किए जायेंगे। पोल्ट्री फार्म के रिहायशी इलाके के बीच में होने से बदबू और गंदगी की शिकायतें आती रहती थीं। उप संचालक पशुपालन श्री तंवर ने बताया कि पोल्ट्री फार्म को संबलपुरी में शिफ्ट किया जा रहा है। शिफ्टिंग के पश्चात इलाके के रहवासियों को इन समस्याओं से राहत मिलेगी। वहीं यहां एक सुंदर कॉलोनी भी आकार लेगी। प्रोजेक्ट के तहत यहां करीब 20 दुकानें खुलेंगी। जिससे एक अच्छा मार्केट भी यहां डेवलप होगा।

प्रोजेक्ट के बार जानकारी देते हुए ईई श्री शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की रिडेवलपमेंट स्कीम के अंतर्गत यह प्रोजेक्ट लॉन्च किया जा रहा है। इस स्कीम के तहत शासन के ऐसे भवन या भूमि जो पहले शहर के बाहरी इलाके में थे किंतु आज शहर का हिस्सा हैं। यदि उस भूमि का बेहतर उपयोग किया जा सकता है तो रिडेवलपमेंट प्लान के तहत वहां कार्य किया जाएगा। इसी स्कीम में केलो विहार स्थित पशुपालन विभाग की पोल्ट्री फार्म को भी शिफ्ट किया जाएगा और वहां आवासीय भवन तैयार किए जायेंगे।

गायत्री परिवार ने व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर का आयोजन किया

रायपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में युवाओं को श्रेष्ठ संस्कार देने, चरित्रवान व्यक्तित्व गढ़ने के लिये युवा प्रकोष्ठ रायपुर के द्वारा गायत्री प्रज्ञा पीठ संतोषी नगर रायपुर में 25 जून रविवार को व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर का आयोजन किया गया । गायत्री परिवार रायपुर के युवा प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष राय ने बताया कि इस शिविर में रायपुर/आरंग के विभिन्न ब्लॉकों से 18 से 30 वर्ष के आयु वाले 60 युवक युवतियां एवं गायत्री परिजन सम्मिलित हुए। शिविर का शुभारंभ प्रज्ञा पीठ संतोषी नगर के ट्रस्टीगण सर्व दीनानाथ साहू, हीरालाल, बेनीराम, रामकृष्ण, दिलीप निषाद, जानकी निषाद, रुखमणि साहू द्वारा गायत्री मंत्र के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया।

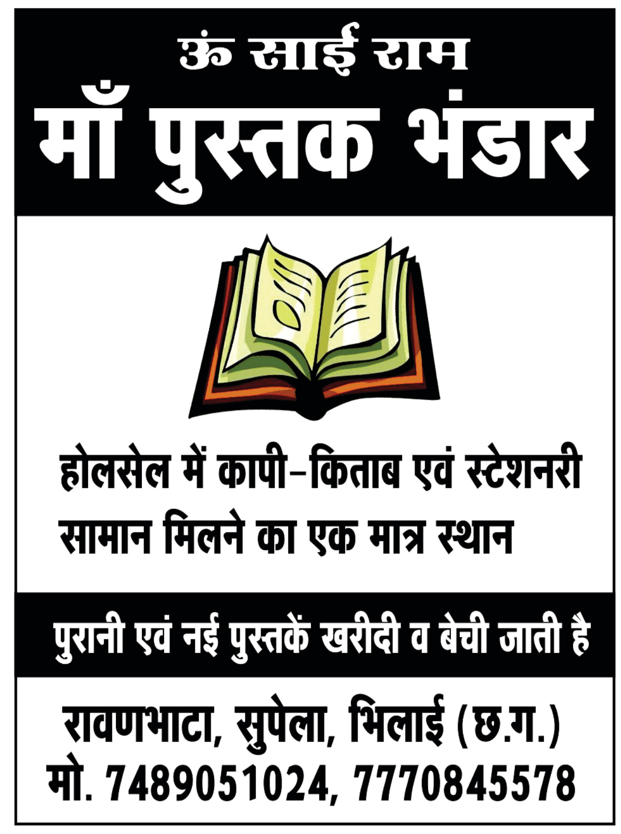

खास खबर...

एसयूपी का विकल्प नहीं, इस वर्ष फिर पालीथिन में पैक कर बांटेंगे तीन करोड़ पौधे

रायपुर। वन विभाग की नर्सरियों में प्लास्टिक प्रतिबंधित करने के निर्देश वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने सितंबर 2019 में जारी किया था। इस निर्देश के बाद नर्सरी में तैयार होने वाले पौधों को पालीथिन में नहीं, बल्कि बांस, दोना या अन्य विकल्पों में तैयार करना था। इस निर्देश को जारी हुए चार साल बीत गए, लेकिन अब तक विभागीय अधिकारी पालीथिन का विकल्प तलाश नहीं पाए हैं। लिहाजा प्रदेश की नर्सरियों में अभी भी पालिथिन बैग में ही पौधों को तैयार किया जा रहा है।

इस मामले में वन विभाग के अधिकारियों की दलील है कि पौधों को बांस, दोना या डिस्पोजल बायोडिग्रेट में तैयार करने के लिए प्रयोग किया गया था। छोटे पैमाने पर यह प्रयोग सफल रहा, लेकिन बड़े पैमाने पर यह प्रयोग असफल हो रहे हैं। पालीथिन का विकल्प तैयार नहीं हो पा रहा है, इसलिए मनाही के बावजूद पालीथिन में पौधे तैयार करने के लिए कर्मचारी विवश हैं।

हर वर्ष 25 करोड़ पालीथिन में खर्च

छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के ज्यादातर नर्सरियों में पौधे काले रंग के प्लास्टिक बैग में तैयार किया जाता है। छत्तीसगढ़ का वन विभाग इसके लिए हर वर्ष करीब 25 करोड़ की प्लास्टिक की खरीदी करता है।वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हर साल तीन करोड़ से ज्यादा पौधे तैयार होते हैं। इस वर्ष भी वन विभाग के अधिकारियों ने तीन करोड़ पौधों के रोपण तथा वितरण का लक्ष्य रखा है। हालांकि जानकारों का कहना है कि भले ही वन विभाग हर वर्ष करोड़ों खर्च कर पौध रोपण का दावा करता है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। जिन इलाकों में पौध रोपण किया जाता है,वहां पौधे दिखाई नहीं देते। पूछने पर अफसर सूख जाने का बहाना बताते है।

35 प्रतिशत घटेगा खर्च

बांस के दोने बनाने में प्लिास्टक बैग की तुलना में करीब 35 फीसदी कम खर्च होगा। विभाग के पास बांस की कमी नहीं है। दोना बनाने में उसी का उपयोग किया जाएगा। थैली के लिए कपड़े खरीदकर महिला समूह को दिया जाएगा। वे अपने स्वसहायता केंद्र में थैली तैयारी नर्सरी में सप्लाई करेंगी। अफसरों के अनुसार इसका सबसे बड़ा फायदा रोजगार के अवसर के रूप में आएगा।

उत्कृष्ट शिक्षा के लिए पहले दिन से ही पहल करेंः मुख्यमंत्री बघेल

मुख्यमंत्री ने दी नए शाला प्रवेशोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं

इस वर्ष 4 हजार 318 खोली जा रही है बालवाड़ियां बच्चे पढ़ेंगे स्थानीय बोलियों में

प्रदेश में 20 भाषा-बोलियों में द्विभाषी पुस्तकें तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज 26 जून से शुरू हो रहें नए शिक्षा सत्र और शाला प्रवेशोत्सव के पावन अवसर पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की है कि सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ, शाला प्रवेशोत्सव को सार्थक बनाते हुए नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ शिक्षा दान के कार्य में पूरे समर्पण के साथ जुट जाएंगे। आप और हम सब मिलकर शिक्षित छत्तीसगढ़ बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। पिछले वर्ष राज्य में 5173 बालवाड़ियां प्रारंभ की गई थी, इस वर्ष 4318 बालवाड़ियां और खोली जा रही है, अब इनकी संख्या बढ़कर 9491 हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि प्रदेश के सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाकर नन्हें-मुन्ने बच्चों का स्वागत और अभिनंदन किया जाए। मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों और आमजनों से अनुरोध किया है कि शाला प्रवेश के दिन अपने नजदीक के विद्यालय में जाकर बच्चों का मनोबल बढ़ाएं और समय-समय में स्कूल जाकर शिक्षकों के साथ शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता को सुधारने में लगातार सहयोग भी करें। इस वर्ष स्कूल खुलते ही बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, गणवेश इत्यादि प्रदान करने तथा कक्षा नवमीं में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को निःशुल्क सायकल प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। नए शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के साथ ही हमें शिक्षा की गुणवत्ता शिक्षा के प्रति जन-जन का लगाव बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। हमारा यह संकल्प है कि प्रदेश में उत्कृष्ट शिक्षा का वातावरण तैयार करने के लिए सभी व्यवस्थाएं स्कूल खुलने के पहले दिन से ही सुनिश्चित हों।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि प्रदेश में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना के तहत अंग्रेजी माध्यम के 377 और हिन्दी माध्यम के 350 स्कूल शुरू किए गए हैं। इन विद्यालयों की लोकप्रियता निजी स्कूलों से भी कहीं बेहतर है। हमारी सरकार ने बच्चों को अंग्रेजी भाषा सीखाने पर विशेष ध्यान दिया है, ताकि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पूरे आत्मविश्वास के साथ खड़े हो सके। वहीं दूसरी ओर हमने बच्चों की शिक्षा-दीक्षा स्थानीय बोलियों में करने की व्यवस्था भी की है। प्रदेश में 20 भाषा-बोलियों में द्वि-भाषीय पुस्तकें तैयार की गई है, जिससे छत्तीसगढ़ में रहने वाले बच्चों को अपनी मातृभाषा में पढ़ाई की शुरूआत करने का अवसर मिल सके।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि विगत अनेक वर्षो से स्कूल, भवनों की मरम्मत व रंग-रोगन भी नहीं हो पाया था। अनेक स्कूल भवन जर्जर हो चुके थे। हमारी सरकार ने ऐसे सभी स्कूल-भवनों की मरम्मत करने सुघ्घर-सुन्दर बनाने का संकल्प भी लिया है। 'मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना' के तहत 29 हजार 284 स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए लगभग 2 हजार करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

कोई भी बच्चा शाला त्यागी और अप्रवेशी न रहेंः मंत्री डॉ. टेकाम

स्कूल शिक्षा मंत्री ने शाला प्रवेश उत्सव की दी बधाई और शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने नए शिक्षा सत्र और शाला प्रवेश उत्सव की सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए नया सत्र 26 जून से प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने मंत्रीयों, संसदीय सचिवों, सांसद, विधायक, नगरीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि ये सभी स्कूल हम सभी के हैं और हम सबको मिलकर ही इन स्कूलों को और बेहतर बनाना है।

मंत्री डॉ. टेकाम ने जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की है कि कोई भी बच्चा शाला त्यागी और अप्रवेशी न रहे। उन्होंने बच्चों के पालकों, शाला निगरानी समिति से भी आग्रह किया है कि बच्चों की शाला में नियमित उपस्थिति के लिए बच्चों को प्रोत्साहन देने के साथ ग्रामीणों को उनके बच्चों की शिक्षा जारी रखने के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करें।

डॉ. टेकाम ने आशा व्यक्त की है कि हम सब मिलकर इस सत्र से स्कूली शिक्षा में अपेक्षा अनुरूप परिवर्तन लाने में सफल होंगे। उन्होंने यह भी अपेक्षा की है कि इस वर्ष राज्य में अधिक से अधिक पालक अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में भेजें और प्रवेश दिलवाएं। इसके लिए सब को अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित शालाओं पर लगातार नजर रखते हुए उसमें पढ़ाई की गुणवत्ता में सुधार हेतु आवश्यक प्रयास करना है।

कस्टम मिलिंग में लापरवाही बरतने वाले 9 राइस मिलरों पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के कस्टम मिलिंग का चावल समय पर भारतीय खाद्य निगम और नागरिक आपूर्ति निगम में जमा करने में लापरवाही बरतने वाले 9 राइस मिलरों पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। जिला खाद्य अधिकारी श्वेता अग्रवाल ने बताया कि तहसीलदार, सहकारिता विस्तार अधिकारी, खाद्य निरीक्षको और मार्कफेड के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा राईस मिलों में भौतिक सत्यापन किया गया। भौतिक सत्यापन में पाये गये धान की मात्रा का मिलान ऑनलाइन रिपोर्ट से करने पर कम पाए जाने पर कुल 2 लाख 5 हजार 229.20 क्विंटल धान जप्त की गई। खाद्य अधिकारी ने बताया कि मेसर्स जे.पी. अग्रवाल सन्स कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड अजनी गौरेला के राइस मिल में भौतिक सत्यापन में धान और चावल की मात्रा का मिलान किया गया। ऑनलाइन रिपोर्ट के अनुसार धान एवं चावल का स्टाक नहीं पाये जाने 20041.20 क्विंटल धान जप्त किया गया।

इसी तरह धान एवं चावल की मात्रा का मिलान ऑनलाईन रिपोर्ट से करने पर कम पाए जाने पर मेसर्स जेपी अग्रवाल एग्रोटेक अंजनी गौरेला के राईस मिल में 18650 क्विंटल धान की जप्ती की गई। मेसर्स गर्ग फूड प्रोडक्टस गौरेला के राईस मिल में 38892 क्विंटल धान, मेसर्स मां नर्मदा एग्रोटेक गौरेला के राईस मिल में 33292 क्विटल धान, मेसर्स मां नर्मदा राईस प्रोडक्ट गौरेला के राईस मिल में 74210 क्विटल धान, मेसर्स लक्ष्मी एग्रो इंडस्ट्रीज पेण्ड्रा के राइस मिल में 11493 क्विंटल धान, मेसर्स दक्ष फूडस्ट्रीज पेण्ड्रा के राईस मिल में 2965.60 क्विंटल धान, मेसर्स शिवानी ट्रेडर्स पेण्ड्रा के राईस मिल में 640 क्विंटल धान और मेसर्स बुआजी फर्म्स प्रा. लिमिटेड पेण्ड्रा के राईस मिल में 7044.80 क्विंटल धान जप्त की गई। धान की मात्रा में कमी पाए जाने के कारण मिल में भौतिक रूप से पाई गए धान की मात्रा को तहसीलदार गौरला एवम पेण्ड्रा द्वारा जप्ती करने कार्यवाही गई है। खाद्य अधिकारी ने बताया की राईस मिलर्स के द्वारा धान व चावल के अभिलेख का संधारण नहीं की गई है। साथ ही राईस मिलरों के द्वारा खाद्य विभाग को मासिक विवरणी भी प्रदान नहीं की गई है। उक्त सभी संबंधित राईस मिलरों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर कलेक्टर न्यायालय में प्रकरण दर्ज कर जप्त किए गए धान को राजसात करने एवं मिलर्स को काली सूची में दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है।

3 घंटे यात्री हुए परेशानः रायपुर-डोंगरगढ़ लोकल का सरोना स्टेशन में इंजन फेल

रायपुर (ए)। रायपुर से डोंगरगढ़ जा रही लोकल ट्रेन का इंजन रविवार की शाम सरोना में फेल हो गया। इस वजह से रायपुर डोंगरगढ़ लोकल ट्रेन सरोना स्टेशन पर 3 घंटे खड़ी रही। रेलवे ने खाली रैक मंगवाकर दुर्ग के यात्रियों को रवाना किया। वहीं दुर्ग से आगे जाने वाले यात्रियों को झारगुसुगुड़ा से गोंदिया जाने वाली ट्रेन से रवाना किया। ट्रेन के अचानक खराब होने से यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

इस वजह से यात्रियों ने रेलवे की व्यवस्था पर जमकर नाराजगी जताई। रायपुर डोंगरगढ़ मेमू

रविवार की शाम रायपुर से रवाना हुई थी। वह 5.03 बजे सरोना रेलवे स्टेशन पहुंची थी कि अचानक इंजन में खराबी आ गई। दूसरी रैक भेजकर यात्रियों को भेजा गया।

व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर में 60 युवा सम्मिलित हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (ए)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार ने युवाओं को श्रेष्ठ संस्कार देने, चरित्रवान व्यक्तित्व गढ़ने के लिए युवा प्रकोष्ठ रायपुर ने गायत्री प्रज्ञा पीठ संतोषी नगर रायपुर में रविवार को व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर का आयोजन किया। गायत्री परिवार रायपुर के युवा प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष राय ने बताया कि इस शिविर में रायपुर/आरंग के विभिन्न ब्लॉकों से 18 से 30 वर्ष के आयु वाले 60 युवक युवतियां और गायत्री परिजन सम्मिलित हुए।

शिविर का शुभारंभ प्रज्ञा पीठ संतोषी नगर के ट्रस्टीगण सर्व दीनानाथ साहू, हीरालाल, बेनीराम, रामकृष्ण, दिलीप निषाद, जानकी निषाद, रुखमणि साहू ने गायत्री मंत्र के साथ दीप प्रज्वलित कर किया।

शिविर में प्रमुख रूप से हिमांशु साहू, जो कैरियर काउंसलर के साथ साथ पैरेंटिंग कोच (पालक प्रशिक्षक) भी है ने युवा शक्ति को अनगढ़ भटकाव से बचाकर श्रेष्ठ जीवन जीना और शिक्षा के साथ विद्या अर्जन, मस्तिष्क का उपयोग कैसे करें, स्वावलम्बन द्वारा युवाओं में स्वाभिमान जागरण के विषय पर बताया। इसके साथ ही रुचिता राव (एच आर मैनेजर) ने युवाओं में सृजनात्मकता का विकास, समझदारी- ईमानदारी-जिम्मेदारी-बहादुरी के विकास के साथ समग्र व्यक्तित्व विकास, युवक- युवतियों में एक दूसरे के प्रति सम्मान भाव के विकास हेतु युवाओं के दृष्टिकोण में परिवर्तन के विषयों पर बताया गया। योग प्रशिक्षिका माधुरी साहू ने योग- प्रज्ञा योग, प्राणायाम, सूक्ष्म योग, सविता ध्यान विषय पर बताया। लच्छुराम निषाद और डॉ. जी.एस. पटेल ने पर्यावरण संरक्षण, बुद्धि विकसित करने की वैज्ञानिक विधि की बात बताया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष रूप स्व खोमन साहू, महेंद्र वर्मा, अमित डोये, प्रवीण साहू, सूरज साहू, खेमेन्द्र, उत्पल साहू, रीना निषाद आदि ने सहयोग प्रदान किया।

एम्स में छह घंटे में किया गया गले के 780 ग्राम ट्यूमर का ऑपरेशन

हाइपो थायरॉयड से पीड़ित थी महिला रोगी, स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (ए)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के चिकित्सकों ने कठिन ऑपरेशन कर गले के 780 ग्राम का मल्टी नॉडयूलर गॉयटर ट्यूमर को ऑपरेट किया है। महिला रोगी अब स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज कर दी गई है। ईएनटी विभाग के चिकित्सकों ने निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम नागरकर के निर्देशन में यह ऑपरेशन किया। कोरबा की 46 वर्षीय महिला रोगी को पिछले 15 वर्षों से हाइपो थायरॉयड की बीमारी थी। शरीर में लंबे समय तक आयोडिन की कमी के कारण उन्हें मल्टी नॉडयूलर ग्वायटर में एक बड़ा ट्यूमर हो गया था। रोगी की स्थिति काफी गंभीर थी क्योंकि ट्यूमर का साइज बढ़कर 780 ग्राम तक हो गया था। रोगी ने कई अस्पतालों में चेकअप करवाया मगर चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए ऑपरेशन करने से मना कर दिया। ऐसे में पहले रोगी को दो जून को एम्स में एडमिट कर रेडियोलॉजी जांचें की गई फिर छह जून को ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। सामान्यत: रोगियों में

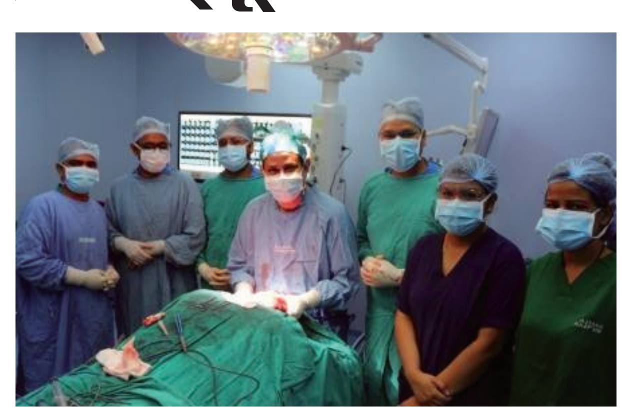

इस ऑपरेशन में दो घंटे तक का समय लग सकता है मगर इसमें छह घंटे से अधिक का समय लगा।

सर्जरी के बाद रोगी को आईसीयू में रखा गया और दस दिन बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। प्रो. नागरकर ने बताया कि ऑपरेशन काफी कठिन रहा क्योंकि ऐसे में रोगी की आवाज के साथ दूसरी ग्रंथियों को भी नुकसान पहुंच सकता था। ऐसे में सभी सावधानियां अपनाते हुए ऑपरेशन किया गया। डिस्चार्ज होने के बाद रोगी को बोलने में कोई कठिनाई नहीं है। ऑपरेशन करने वाली टीम में प्रो. एन.के. अग्रवाल, डॉ. रिपु दमन अरोड़ा, डॉ. अमित कुमार बंजारे, डॉ. आकाश अग्रवाल, डॉ. कृतिका भारद्वाज और नर्सिंग ऑफिसर जितेंद्र भी शामिल थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

ब्यूटी किट में रखना न भूलें ये 4 चीज, गर्मी में ब्यूटीफुल बन जाएगी आपकी स्किन

एक तो गर्मी, ऊपर से छिटपुट बारिश ने उमस को बढ़ा दिया है। ऐसे में चेहर का ख्याल और भी जरूरी हो गया है। उमस और ज्यादा गर्मी के चलते पसीना ज्यादा निकलता है और स्किन ड्राई होने लगती है। हालांकि, कुछ बातों का ध्यान रख गर्मी के सीजन में भी स्किन को ग्लोइंग बनाया जा सकता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं ब्यूटी किट की उन चीजों के बारें में जो समर फ्रेंडली हैं और खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती हैं। आप भी इन्हें अपने मेकअप किट में जरूर शामिल करें।

सैलीसिलिक एसिड

जब मौसम बदलता है तो एक्ने ब्रेकआउट और ब्लैक हेड्स की प्रॉब्लम भी बढ़ने लगती है। ऐसे में सैलीसिलिक एसिड त्वचा के रोम छिद्रों में अंदर तक जाकर डेड सेल्स को बाहर निकाल देता है। यह नए सेल्स के बनने में भी मदद करता है। मुंहासे की समस्या भी पूरी तरह खत्म कर सकता है।

नियासिनामाइड

बी टाउन की एक्ट्रेस कृति सेनन और आलिया भट्ट ने कुछ दिन पहले ही वीडियो शेयर कर बताया था कि नियासिनामाइड से उनकी त्वचा गर्मियों में भी खूबसूरत बनी रहती है। इसमें विटामिन बी 3 पाया जाता है। यह घुलनशील होने के चलते रोम के छिद्रों, फाइन लाइन्स और झुर्रियों की छुट्टी कर सकता है।

एलोवेरा

इसे चमत्कारिक जड़ी बूटी तो माना ही जाता है, इसमें औषधीय गुण भी जबरदस्त होते हैं। स्किन को मॉइस्चराइज करने में ऐलोवेरा कमाल का काम करता है। स्किन में नमी रहने से रेडनेस जैसी समस्याएं दूर हो सकती हैं।

विटामिन सी

समर सीजन में स्किन की देखभाल में विटामिन सी अच्छा रोल निभाती है। सुस्त और थके चेहरे को यह रिफ्रेश करने के साथ सनस्पॉट को मिटाने का काम करती है। यह विटामिन कोलेजन का उत्पादन करती है और हाइपरपिग्मेंटेशन को खत्म करने का काम करती है।

बिग बॉस ओटीटी 2 में नए ट्विस्ट के साथ आएंगी रकुल प्रीत सिंह

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह बिग बॉस ओटीटी-2 के वीकेंड का वार एपिसोड में अपनी अपकमिंग फिल्म आई लव यू का प्रमोशन करने आएंगी। फिलहाल, यह खुलासा नहीं हो पाया है कि क्या रकुल प्रीत गेस्ट अपीयरेंस के तौर पर आएंगी, या वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान कंटेस्टेंट्स के साथ बातचीत करने के लिए एक स्पेशल गेस्ट के रूप में शामिल होंगी।

उन्होंने कहा, मैं बिग बॉस ओटीटी पर पहले वीकेंड का वार का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। मैं शो की बहुत बड़ी फैन हूं और हमेशा वीकेंड एपिसोड देखने की कोशिश करती हूं!

एक्ट्रेस ने कहा, मैं सभी कंटेस्टेंट्स से मिलने और सलमान सर के साथ समय बिताने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। सलमान सर को एक्शन में देखना बहुत मजेदार होने वाला है, और मैं स्पेशल ट्विस्ट के साथ वीकेंड के वार में आऊंगी। बता दें आई लव यू एक रोमांटिक थ्रिलर है। इसमें प्यार के भावुक और अंधेरे पक्ष को दर्शाया गया है, और इसमें पावेल गुलाटी, अक्षय ओबेरॉय और किरण कुमार भी हैं। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, आई लव यू एथेना और द वर्मिलियन वर्ल्ड की प्रोडक्शन है, जो जाने-माने फिल्म निर्माता निखिल महाजन द्वारा लिखित और निर्देशित है, और ज्योति देशपांडे, सुनीर खेतरपाल और गौरव बोस द्वारा निर्मित है। बिग बॉस ओटीटी 2 और आई लव यू जियोसिनेमा पर स्ट्रीमिंग हो रही है।

रिलीज हुआ निखिल सिद्धार्थ की फिल्म स्पाई का ट्रेलर, राणा दग्गुबाती का होगा धांसू कैमियो

बीते साल साउथ फिल्म स्टार निखिल सिद्धार्थ और अदाकारा अनुपमा परमेश्वरम की पहली पैन इंडिया रिलीज फिल्म कार्तिकेय 2 सिल्वर स्क्रीन पहुंची थी। इस फिल्म को देशभर में दर्शकों ने काफी पसंद किया। दिलचस्प बात ये है कि अनुपम खेर के साथ आई साउथ एक्टर निखिल सिद्धार्थ की ये फिल्म बिना किसी बज के थियेटर पहुंची थी। बावजूद इसके फिल्म ने हिंदी दर्शकों को इंप्रेस कर दिया था। जिसके बाद ये फिल्म हिंदी में भी अच्छा बिजनेस हासिल कर ले गई। इस फिल्म के हिट होने के बाद एक बार फिर निखिल सिद्धार्थ अपनी अगली फिल्म से दर्शकों का दिल जीतने की तैयारी में हैं।

साउथ स्टार निखिल सिद्धार्थ की अगली फिल्म का जबरदस्त ट्रेलर आज रिलीज हो चुका है। कार्तिकेय 2 के बाद अब एक्टर अपनी अगली फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहुंचने वाले हैं। एक्टर की अगली फिल्म स्पाई का धांसू ट्रेलर आज रिलीज हो चुका है। ये फिल्म

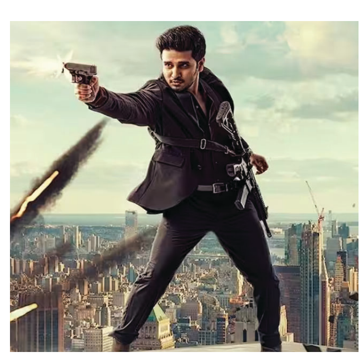

भी एक्टर की पैन इंडिया रिलीज फिल्म है। जिसे मेकर्स हिंदी में भी रिलीज करने वाले हैं। इस फिल्म का हिंदी ट्रेलर काफी जबरदस्त है। जिसमें एक्टर एक जासूस की भूमिका निभाते दिखेंगे। दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म में बाहुबली स्टार राणा दग्गुबाती भी एक दिलचस्प कैमियो करते दिखने वाले हैं।

फिल्म के ट्रेलर के अंतिम सीन में मेकर्स ने राणा दग्गुबाती की जबरदस्त एंट्री करवाई है। जिससे एक्टर के फैंस भी खुशी से झूमने लगे हैं। फिल्म स्पाई की बात करें तो इस फिल्म के निर्देशक गैरी बीएच है। फिल्म की रिलीज डेट काफी नजदीक है। फिल्म को मेकर्स इसी महीने 29 जून के दिन एक साथ सभी भाषाओं में रिलीज करेंगे। फिल्म को मेकर्स हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज करने की तैयारी में हैं। तो क्या आप इस फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं। अपनी राय हमें कमेंट कर बता सकते हैं।

ब्लू बॉडीकॉन ड्रेस पहन अवनीत कौर ने गिराई हुस्न की बिजलियां फोटो ने इंटरनेट पर उड़ाया गरदा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर इन दिनों अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस को अपनी ओर लुभा रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक अदाओं पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में अवनीत ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनके कातिलाना अंदाज ने लाखों फैंस के दिल धड़का दिए हैं। अवनीत कौर इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेसेस में से एक हैं। महज 21 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने अपने नए लुक्स से फैंस को दीवाना बना रखा है। हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनके किलर अंदाज को देखकर फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अवनीत कौर ने अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों को क्लिक करवाते हुए ब्लू कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इन लुक में बेहद ही सिजलिंग हॉट और गॉर्जियस नजर आ रही हैं। आप देख सकते हैं एक्ट्रेस इस आउटफिट में अपनी परफेक्ट टोन्ड बॉडी जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं। बालों का बन बनाकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। बताते चलें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए जमकर प्रतिक्रियाएं देते हैं।

सुबह उठते ही छींक आने से हो जाते हैं बेहाल? ये है इसकी वजह इस तरह मिलेगा छुटकारा

हर इंसान एक खुशगवार और सुहानी सुबह की कल्पना करता है। लेकिन सबका ये सपना पूरा नहीं हो पाता। इसके पीछे छींक भी एक वजह हो सकती है। दरअसल कई लोग शिकायत करते हैं कि सुबह उठते ही उनको छींक आना शुरू हो जाती है जो रुकती नहीं है। सुबह बिस्तर से उठते ही एक के बाद एक छींक आने लगती है और पूरा मूड खराब हो जाता है। कई बार छींक के अलावा नाक और गले में खुजली भी होती है। अगर आप या आपका कोई करीबी इस परेशानी का शिकार है तो आपको इस बीमारी के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। चलिए जानते हैं कुछ लोगों को सुबह उठते ही छींकें क्यों आती हैं।

एलर्जिक राइनाइटिस है वजह

सुबह उठते ही अगर छीकें आ रही हैं तो इसे एलर्जिक राइनाइटिस कहा जाता है। ये एक तरह की एलर्जी है जो कुछ लोगों को खासा परेशान कर डालती है। जिन लोगों को ये एलर्जी होती है, उन्हें सुबह उठते ही छींक आती हैं और गला खुजलाने लगता है। इसकी वजह है कि सुबह उठते ही नाक के जरिए धूल और आस पास के हानिकारक कण शरीर में घुस जाते हैं। यूं तो नाक धूल के कणों को रोकने की कोशिश करती है लेकिन फिर भी एक साथ कई सारे धूल के कण शरीर में घुस जाते हैं और उनके ही रिएक्शन से गले में खुजली के साथ छींकें आने लगती हैं। एलर्जिक राइनाइटिस अगर ज्यादा गंभीर हो जाए तो नाक और गले में खुजली के साथ फेस पर सूजन भी आ सकती है।

तापमान में बदलाव के चलते भी आती हैं छींके

एलर्जिक राइनाइटिस की वजह केवल धूल के कण ही नहीं होते। कई बार तापमान में बदलाव के चलते भी एलर्जिक राइनाइटिस हो जाता है और व्यक्ति छींकने लगता है। जब व्यक्ति सोता है तो उसके शरीर का तापमान कम हो जाता है और उसके उठते ही तापमान बढ़ने लगता है। इस तापमान में बदलाव के चलते ही नासिका तंत्र असंतुलित होता है और छींके आने लगती है।

इस तरह पाएं छुटकारा

- एलर्जिक राइनाइटिस की परेशानी हो जाने पर हल्का खाना खाने की आदत डालें। खाने में सेंधा नमक का इस्तेमाल करें। हमेशा गुनगुना पानी पीने की कोशिश करें।
- 10-12 तुलसी के पत्ते, 1/4 चम्मच काली मिर्च पाउडर, डेढ़ चम्मच कसा हुआ अदरक, और आधा चम्मच वाइन रूट पाउडर को एक कप पानी के साथ धीमी आंच पर उबालें। जब पानी उबलने के बाद करीब आधा रह जाएं तब इसे छानकर पी लें। रोजाना सुबह और शाम के वक्त गुनगुने पानी के साथ पीने से इस समस्या में तेजी से आराम मिलने लगता है।
- आधा चम्मच हल्दी और स्वाद के हिसाब से सेंधा नमक को एक कप गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से भी इस दिक्कत में तेजी से आराम मिलने लगता है। हल्दी में मौजूद एंटी एलर्जिक, एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुण वाले तत्व राइनाइटिस से छुटकारा दिलाने में मददगार हो सकते हैं।
- एक चम्मच शहद में थोड़ा सा आंवला पाउडर मिलाकर दिन में दो टाइम लें। इसके अलावा, पुदीने की पत्ती से बनी चाय पीने से भी इस समस्या में काफी आराम मिलेगा।

००

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

इस बार भोलेनाथ की उपासना के लिए मिलेंगे सावन के 8 सोमवार

भिलाई। हिन्दू धर्म में भगवान भोलेनाथ की पूजा करने के लिए सावन के महीने को सबसे उत्तम माना जाता है। इस पूरे माह में शिव जी की विधि-विधान से पूजा की जाती है। इस बार सावन माह को बेहद खास माना जा रहा है, क्योंकि इस साल सावन एक नहीं बल्कि दो माह का होने वाला है। ऐसा माना जा रहा है कि ये अद्भुद योग करीब 19 साल बाद बन रहा है। दरअसल हिंदी विक्रम संवत 2080 में इस साल एक अधिकमास पड़ रहा है। ऐसे में इस साल 12 महीने की बजाय कुल 13 महीने होंगे। वहीं सावन का महीना 30 नहीं बल्कि करीब 59 दिन का होने वाला है। यानी इस बार भोलेनाथ के भक्तों को उनकी उपासना करने के लिए 4 के बजाय 8 सोमवार मिलेंगे।

इस बार सावन का महीना करीब 2 महीने का होने वाला है। इस बार सावन महीने की शुरुआत 4 जुलाई 2023 से हो रही है और 31 अगस्त 2023 को इसका समापन होगा। यानी इस बार भक्तों को भगवान शिव की उपासना के लिए करीब 59 दिन मिलने वाले हैं। दरअसल वैदिक पंचांग की गणना सौर मास और चंद्र मास के आधार पर की जाती है। चंद्र मास 354 दिनों का होता है। वहीं सौर मास 365 दिन का। दोनों में करीब 11 दिन का अंतर आता है और तीसरे साल यह अंतर 33 दिन का हो जाता है, जिसे अधिक मास कहा जाता है। ऐसे में इस बार सावन दो महीने तक रहने वाला है।

इंटरटेनमेंट, वेब सीरीज समाज के लिए खतरा'; बिगड़ रहे युवा, देशव्यापी शौर्य जागरण यात्रा निकालेगी वीएचपी

रायपुर। रायपुर में विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें भारतीय हिंदू परिवारों को टूटने से कैसे बचाया जाए, इस पर चर्चा की गई। विहिप के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने हिंदू परिवार व्यवस्था पर हो रहे चौतरफा प्रहार, बढ़ती लव जिहाद और धर्मांतरण की घटनाओं पर चिंता व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक व्यापक कार्य योजना बनी है। इसके तहत बजरंग दल 30 सितंबर से 14 अक्टूबर के बीच देशव्यापी शौर्य जागरण यात्रा निकालेगा। इसके माध्यम से देश के हर कोने में रहने वाले हिंदुओं को संगठित कर उन्हें इन समस्याओं से निपटने में सशक्त बनाया जाएगा। देशभर में ब्लॉक स्तर पर निकलकर युवा पीढ़ी को विशेष रूप से जोड़ा जाएगा। विहिप अपने बाल संस्कार केंद्रों के विस्तार के साथ गीता/रामायण की परीक्षाएं भी आयोजित करेगी। बैठक में 44 शहरों के 237 पदाधिकारी मौजूद रहे। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने माना कि युवाओं में भारतीय संस्कारों और मूल्यों की कमी आई है। धर्मांतरण हो रहे हैं, इन सब पर रोक लगाने के लिए एक अभियान चलाया जाएगा। दीपावली के आस-पास संतों की यात्रा देशभर में आयोजित की जाएगी। इसमें संत उन आम परिवारों के बीच जाएंगे जहां आमतौर पर संत नहीं जाते। बैठक में हिंदू परिवार व्यवस्था को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया है। विहिप ने इंटरटेनमेंट, वामपंथी शिक्षाविदों और कोर्ट के कुछ फैसलों को हिंदू समाज के लिए खतरा बताया।

सेक्टर-4 में नृत्य कला केंद्र की कलाकारों ने प्रस्तुति दी, 22 ओडिसी कलाकारों का सम्मान हुआ

भिलाई। भगवान जगन्नाथ के रथयात्रा महोत्सव के तहत शहर के गुंडिचा मंडपों में धार्मिक के साथ सांस्कृतिक आयोजन भी कराए जा रहे हैं। इसी के तहत रविवार की रात सेक्टर-6 के गुंडिचा मंडप में ओडिशी नृत्यों की प्रस्तुति दी गई। इससे पहले भगवान जगन्नाथ का दिव्य श्रृंगार किया गया। राम कथा के छठवें दिन रामज्ञानी दास महत्यागी ने भरत चरित्र पर कथा बताई। उन्होंने कहा कि भरत मौन तपस्वी हैं, जिनके जीवन में प्रदर्शन नहीं है। आरती के बाद ओडिसी नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति कलाकारों ने दी। आयोजन में दिलीप मोहंती, रविंद्र साहू, संजय साहू, रविंद्र मुनि, निर्माणी नायक, शरद विश्वास, सुभाष साहू, संतोष महाराणा, गजेंद्र पंडा सहित अन्य उपस्थित थे। यहां 28 जून तक लगातार विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इसी के तहत जगन्नाथ समिति सेक्टर-4 के तत्वावधान में ओडिसी नृत्य कला केंद्र के कलाकारों द्वारा बेहतरीन ओडिसी नृत्य की प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की भरपूर तालियां बंटोरी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एएसपी यूबीएस चौहान, विशिष्ट अतिथि पूर्व सीएसपी राकेश जोशी के साथ समिति अध्यक्ष वीरेंद्र सतपथी, महासचिव सत्यवान नायक उपस्थित थे।

बस्तर का गोंचा महापर्व छत्तीसगढ़ का गौरवः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज यहां अपने निवास कार्यालय से बस्तर जिले के जगदलपुर स्थित सिरहासार भवन में आयोजित 'बस्तर गोंचा महापर्व' और भगवान श्री जगन्नाथ की आरती एवं 56 भोग कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने भगवान जगन्नाथ से प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की और सभी को गोंचा महापर्व की शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि बस्तर में यह महापर्व 04 जून से 28 जून 2023 तक आयोजित हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गोंचा पर्व के मौके पर सम्बोधित करते हुए कहा कि गोंचा पर्व छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित करने वाला महापर्व है। बस्तर का दशहरा और गोंचा पर्व बहुत ही अनूठा है, जो विभिन्न संस्कृतियों के संगम का अनुपम उदाहरण है और इन पर्वों से बस्तर और छत्तीसगढ़ को जाना जाता है। उन्होंने कहा कि बस्तर का बहुत समृद्ध इतिहास है और यहां की संस्कृति की छटा बड़ी ही निराली है। बस्तर को, और बस्तर की संस्कृति को तभी अच्छी तरह समझा जा सकता है, जब बस्तर के साथ-साथ जिया जाए। उन्होंने कहा कि बस्तर आकर ही यहां की संस्कृति को समझा जा सकता है और इसका आनंद लिया जा सकता है। गोंचा पर्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बस्तर के हजारों रंगों में से एक रंग गोंचा-महापर्व का भी है। यह आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तो है ही, यह बस्तर के सांस्कृतिक विकास को जानने-समझने के लिए भी काफी महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोंचा महापर्व का इतिहास 616 वर्षों से भी पुराना है। यह 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के बस्तर आने के इतिहास से जुड़ा हुआ है। ओडिशा का गुड़िंचा पर्व बस्तर में आकर गोंचा पर्व हो गया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हमारे देव, हमारी देवगुड़ियां, हमारी मातागुड़ियां केवल आध्यात्मिक महत्व के स्थान नहीं है। ये स्थान हमारे मूल्यों से जुड़े हुए हैं। इसीलिए हमारी सरकार इन स्थानों को सहेजने और संवारने का काम कर रही है। राम वन गमन पर्यटन परिपथ परियोजना के माध्यम से हम उत्तर से लेकर दक्षिण तक भगवान राम के वनवास से जुड़े स्थलों को चिन्हित करके उन्हें पर्यटन तीर्थों के रूप में विकसित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रदेश के गांव-गांव में स्थानीय तीज-त्यौहार अलग-अलग अंदाज में मनाए जाते हैं। तरह-तरह की परंपराएं हैं। इन सभी को जिंदा रखना जरूरी है। आदिवासी परब सम्मान निधि योजना और छत्तीसगढ़ी पर्व सम्मान निधि योजना की शुरुआत इसी उद्देश्य से की गई है। इस योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को हर साल 10 हजार रुपए दिए जाने का भी प्रावधान किया है। हमारे पुरखों ने हम तक तीज-त्यौहारों के माध्यम से अपनी शिक्षा और संस्कारों को पहुंचाया है। हमने तीजा-पोला, हरेली, छेरछेरा, कर्मा जयंती, विश्व आदिवासी दिवस और छठ पर्व पर सार्वजनिक अवकाश इसीलिए शुरू किए हैं, ताकि नयी पीढ़ी भी अपनी संस्कृति से अच्छी तरह परिचित हो पाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराओं से पूरी दुनिया को अवगत कराने के लिए राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की शुरुआत की गई है। अपनी खेल संस्कृति को बचाए रखने के लिए हमने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के आयोजन की शुरुआत की है। हाल ही में हमने रायगढ़ में राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का आयोजन किया। इसमें विदेशों की रामलीला मंडलियों ने भी भाग लिया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, संसदीय सचिव रेखचंद जैन, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप, चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, क्रेडा अध्यक्ष मिथिलेश स्वर्णकार, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एमआर निषाद, इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष राजीव शर्मा, श्रीमती सफीरा साहू, नगर निगम सभापति श्रीमती कविता साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण, 360 आरण्यक ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य, गोंचा आयोजन समिति के सदस्य सहित नागरिकगण उपस्थित थे।

आर्टकॉम की मुहिम 'हर आंगन एक पेड़' का भरी बरसात में शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ की नामी संस्था आर्टकॉम संचालक निशु पाण्डेय ने जानकारी देते हुये बताया कि उनकी इस मुहिम का यह 5वां वर्ष है इन पांच वर्षों संस्था के सभी सदस्यों ने वैशाली नगर विधानसभा को भिलाई की तरह ग्रीन वैशाली नगर बनाने हेतु कार्य कर रहे है संस्था के सदस्यों ने पिछले वर्ष भिलाई के चारों दिशा राजनांदगांव, अहिवारा, रायपुर एवं पाटन क्षेत्र में वृक्षारोपण कर समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया।

इसी कड़ी में आज मृत्युंजय उद्यान में सुदीप अग्रवाल एवं राजीव अग्रवाल के नेतृत्व में पौधें रोपे गये। इस अवसर पर दुर्ग जिले के भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। जैसे कि विदित है कि आर्टकॉम की मुहिम 'हर आँगन एक पेड़' 5 वर्षो से निरंतर हर बरसात वृक्षारोपण का कार्य अपने हरित सैनिकों के साथ करती है इस वर्ष आज ही के दिन से वृक्षारोपण हेतु संस्था ने निर्णय लिया और सोने पर सुहागा ये है कि इस लंबे इंतजार के बाद बरसात शुरू हुई।

आज संस्था के सभी सदस्यों ने भिगते हुए वृक्षारोपण किया इस अवसर पर संस्था के करमजीत सिंह, डॉ रमेश श्रीवास्तव, शारदा गुप्ता, अरविंद पाण्डेय, प्रमोद बाघ, मदन सेन, अमिताभ भट्टाचार्य, पारस जंघेल, गुरनाम सिंह, भास्कर तिवारी एवं निशु कुमार पाण्डेय उपस्थित थे। इसके साथ ही संस्था संचालक निशु कुमार पाण्डेय ने स्थानीय निवासियों को संस्था से जुड़ कर हर रविवार वृक्षारोपण करने 2 घंटे निकालने हेतु आव्हान किया है।

साइंस कॉलेज के सामने बन रही चौपाटी

मेट्रो सिटी की तर्ज पर हो रहा है प्रमुख सड़क का निर्माण-वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भिलाई को जोड़ने वाले वाय सेप के नीचे साइंस कॉलेज के सामने अब शहर वासियों को परिवार सहित स्वादिस्ट व्यंजन व बच्चों के लिए प्ले हेतु खेल सामग्री 64 करोड़ की राशि से शहर के मध्य से गुजरने वाली नेहरु नगर से शिवनाथ नदी तट से अंजोरा तक लगभग पूर्णतः होने वाली सड़क के आसपास सौन्दर्यकरण का कार्य तेजी से जारी है। आज वरिष्ठ विधायक अरुण वोरा ने शहर में चल रहे विकास कार्यों के निरीक्षण किया। वोरा ने कहा कि सड़क डामरीकरण के बाद धुलमुक्त के लिये आसपास सीमेंटीकरण व पौधे व पेंटिग का कार्य जारी है। हाईमास्क व ट्यूबलर पोल व रोप लाइट जगमगाने से मेट्रो सिटी जैसा स्वरूप नजर आने लगा है। सड़क के आसपास रिक्त भूमियों में लैण्डस्केप का कार्य जारी है वोरा ने कहा कि दुर्ग भिलाई के बड़े कॉलेज साइंस कॉलेज व बी आई टी इंजीनिरिंग व यूनिवर्सिटी करीब होने से हजारों छात्र छात्राओं सहित दोनो शहर के नागरिकों की लगातार सिविक सेंटर जैसे स्पॉट की मांग पर चौपाटी की सौगात जल्द मिलेगी। इस स्थल पर पेवर ब्लाक का काम पूरा होने जा रहा है प्रकाश व्यस्था हेतु ट्यूबलर पोल लगा दिए गए हैं जल्द ही वेंडिंग जोन के तहत गुमटियां स्थापित की जाएगी जिससे लोग अपने परिवार सहित आ कर चौपाटी का आनंद लेंगे।

विशेष पिछड़ी जनजाति, नवविवाहिता और दिव्यांगजनों के साथ नए युवा का नाम जोड़ने चलेगा अभियान

कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के 184 और पंडरिया के 256 मतदान केन्द्रों में लिंगानुपात कम, इसलिए चलेगा विशेष अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे के निर्देश कबीरधाम जिले के पंडरिया विधानसभा क्षेत्र कंमाक 71 और कवर्धा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 72 के कुल 440 मतदान केन्द्रों में विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति, नवविवाहिता, दिव्यांगजनों, थर्ड जेंडर सहित 18 वर्ष पूरा कर चुके आम नागरिकों का नाम जोड़ने मतदान केन्द्र स्तर पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अभियान चलाया जाएगा।

जिले के इन दोनों विधानसभा क्षेत्र में कुल 802 मतदान केन्द्र है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे के निर्देश जिले के सभी मतदान केन्द्रवार ग्राम स्तर पर महिला, पुरूषो की संख्या की जांच कराई गई। जांच में 440 मतदात केन्द्रों में पुरूषों की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या में कमी पाई गई है। जिसमें कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के 184 मतदान केन्द्र और पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के 256 मतदान केन्द्र है। कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में लिंगानुपात 998 और पंडरिया में लिंगानुपात 970 पाई गई है। कलेक्टर श्री महोबे ने जनगणना 2011 के अनुसार जिले के जेंडर रेशियों 996 के आधार पर मतदाता सूची के जेंडर रेशियों में समतुल्यता लाने के निर्देश दिये है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री महोबे के निर्देश पर इन सभी मतदान केन्द्रों में मतदाता सूची में छूटे हुए महिलाओं का नाम जोड़ने के लिए तहसील कार्यालयों को मतदान केन्द्रों की मतदाता सूची भेजी गई है। इसके बारे में संबंधित मतदान केन्द्रों में छूटे हुए महिलाओं का नाम जोड़ने की कार्यवाही किए जाएंगे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे ने आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुए विकासखण्डवार बैठक लेकर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम एवं स्वीप कार्यक्रमों की गहनता से समीक्षा की। कलेक्टर ने दो दिन पहले शुक्रवार को बोडला, पंडरिया तथा शनिवार को कवर्धा और सहसपुर लोहारा में राजस्व अधिकारियों के साथ पटवारियों तथा पुनरीक्षण कार्य के लिए नियुक्त किए गए बीएलओ-सुपरवाईजर की बैठक लेकर वृहद निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, कवर्धा-सहसपुर लोहारा एसडीएम पीसी कोरी, बोडला एसडीएम संदीप ठाकुर, पंडरिया एसडीएम डीआर डाहिरे सहित राजस्व अधिकारी तहसीलदार,नायब तहसीलदार एवं समस्त पटवारी, सुपरवाईजर उपस्थित थे। कलेक्टर श्री महोबे ने बैठक में निर्देश देते हुए कहा कि द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 अक्टूबर 2023 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर लिये हैं या करेंगें, उनका नाम मतदाता सूची में शत-प्रतिशत जोड़े जाने के निर्देश दिए है।

किसी भी दशा में नाम छूटना नहीं चाहिए। कलेक्टर ने बताया कि जिला कबीरधाम में 02 विधानसभा क्षेत्र 71-पण्डरिया एवं 72-कवर्धा हैं, जिसके अन्तर्गत क्रमशः 393 एवं 409 कुल 802 मतदान केन्द्र स्थापित है। विधानसभा क्षेत्र 71-पण्डरिया में पुरूष 150880 महिला 146337 तृतीय लिंग 0 कुल 297217 एवं 72-कवर्धा में पुरूष 157437 महिला 157108 तृतीय लिंग 03 कुल 314548 मतदाता है। इस प्रकार जिले में कुल 611765 मतदाता है। जिसमें से 18प्लस आयुवर्ग के 25158 नागरिकों का मतदाता सूची में नाम जोड़ा जा चुका है। कलेक्टर ने शेष 18821 में से जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं या करेंगे, का चिन्हांकन कर पात्र विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जिले में कुल 8401 दिव्यांग है। जिसमें से विधानसभा क्षेत्र 71-पण्डरिया में 3096 एवं 72-कवर्धा में 2446 कुल 5542 दिव्यांगों का मतदाता सूची में पंजीयन कर लिया गया है।

इमर्जिंग बस्तर कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा हमने नक्सल प्रभावित बस्तर के लोगों का विश्वास जीता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि बस्तर की धरती शांति, भाईचारे और प्रेम की धरती है। हमने बस्तर के लोगों का विश्वास जितने, बस्तर के विकास और लोगों को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया। हमने लोगों को अधिकार संपन्न बनाने का काम किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल आज शाम यहां अपने निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'इमर्जिंग बस्तर' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि पहले बस्तर नक्सल गतिविधियों के प्रभाव में था, लोग दहशत में थे। ऐसी स्थिति को हमने संभाला, हमने बस्तर के लोगों का विश्वास जीता। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही सबसे पहले किसानों की ऋण माफी, 2500 रुपये में धान की खरीदी और लोहंडीगुड़ा में जमीन वापसी का काम किया। बस्तर के विकास, लोगों को सुरक्षा देने का काम किया। इसके अलावा वन अधिकार पट्टा दिलाने, जेल में बंद

निर्दोष लोगों को छुड़ाने, बन्द पड़े स्कूलों को फिर से शुरु किया। विकासखण्ड से लेकर जिला स्तर तक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया। इसके साथ ही हाट बाजार क्लीनिक योजना, स्लम स्वास्थ्य योजना, दाई-दीदी क्लीनिक योजना लागू की। बस्तर को मलेरिया मुक्त करने अभियान चलाया, कुपोषण दूर करने का काम किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि बस्तर की संस्कृति यहां की पहचान है। हमारी सरकार ने इस संस्कृति को सहेजने के लिए देवगुड़ी निर्माण, घोटुल निर्माण का कार्य किया, आदिवासी परब सम्मान निधि योजना, छत्तीसगढ़ी पर्व सम्मान निधि योजना लागू की, गायता-पुजारियों को भी मानदेय देने का काम किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्रशासनिक विकास के लिए जिला निर्माण, अनुभाग और तहसील निर्माण का कार्य किया गया। पहले डीएमएफ की राशि से सिर्फ बड़ी-बड़ी बिल्डिंगे बना करती थी, हमने इस राशि से सड़क, पुल-पुलिया निर्माण जैसे आधारभूत इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में किया। हमने लोगों को रोजगार देने का काम किया। उन्होंने कहा कि मजदूर, किसान, गरीब, आदिवासी, व्यापारी, पत्रकार हो या हमारे अधिकारी-कर्मचारी सभी वर्गो को लगता है कि यह हमारी सरकार है। सरकार ने अपनी योजना से सभी वर्गो को लाभान्वित किया। हमारी सरकार सभी वर्गो का प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार है।

श्री बघेल ने कहा कि बस्तर क्षेत्र के दरभा घाटी में कॉफी का उत्पादन किया जा रहा है। दंतेवाड़ा में जैविक खेती की जा रही है। लोहण्डीगुड़ा के पास इमली का प्रोसेसिंग प्लांट लगाया गया है। यहां पर कोदो, कुटकी और रागी की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

रौंदा में किसान चौपाल, किसानों ने बताई समस्याएं

दुर्ग। धमधा के ग्राम रौंदा में बीजेपी किसान मोर्चा द्वारा चौपाल लगाया गया। इसमें किसानों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कृषि कार्य का समय है। ऐसे में उन्हें खाद-बीज खरीदने के लिए पैंसों की ज्यादा जरुरत है। संस्था के अध्यक्ष विनायक ताम्रकार ने कहा कि न्याय योजना के तहत 9 हजार रुपए दिया जाता है। प्रति एकड़ 600 रुपए पड़ता है। यदि राज्य सरकार 20 क्विंटल धान खरीदी करेगी तो क्या 12 हजार रुपए योजना के तहत देगी। इस दौरान पिछला बकाया दिए जाने को लेकर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि विमल पटेल, रमन यादव, देवनाथ सिन्हा, दिलीप गुप्ता, भास्कर तिवारी सहित अन्य मौजूद थे।

Jaquar Roca Parryware Wow, what a bathroom! AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में आकाशीय बिजली का कहर, बरामदे में आराम कर रहे ससुर व बहू पर गिरी गाज, मौके पर मौत

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में आकाशीय बिजली का कहर देखने को मिला। जिले के ग्राम पंचायत भितघरा के पहाड़ी कोरवा आश्रित ग्राम राजपुर में यह घटना घटी। घर की छप्पर ठीक करने के बाद बारामदे में आराम करने के दौरान गाज गिरी और उसकी चपेट में आने से बहू व ससुर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार बागीचा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत भितघरा के पहाड़ी कोरवा आश्रित ग्राम राजपुर में रतिया राम (68) अपने परिवार के साथ रहता था। पिछले एक दो दिन से हो रही बारिश के कारण शनिवार को वह अपने घर की छप्पर ठीक कर रहा था। इस दौरान उसकी बहू दीनामती (20) और दीनामती की मां मंझनी बाई (50) छप्पर ठीक कर रहे थे। दोपहर को छप्पर ठीक करने के बाद सभी बरामदे में आराम करने लगे। इस दौरान अचानक बरामदे में बिजली गिरी। गाज गिरने रतिया राम और उसकी बहू दीनामति इसकी चपेट में आ गए जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पीएम आवास की राशि लेकर घर न बनाने वालों पर होगी एफआईआर

कोरबा (ए)। नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पांडेय ने सकरी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि पीएम आवास योजना के तहत जिन हितग्राहियों को राशि का आवंटन हो चुका है इसके बाद भी वे उसका उपयोग नहीं कर रहे हैं तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएं।

उन्होंने अवैध निर्माण के बाद भी नियमितीकरण नहीं कराने वालों पर भी कार्रवाई करने अधिकारियों को हिदायत दी। कार्यपालन अभियंता आरके माहेश्वरी ने बताया कि 31 मई 2022 के पहले जो डीपीआर शासन से मंजूर हुआ था उन सभी आवासों का निर्माण प्रारंभ किया जा चुका है। मुड़ापार में 293 और रामपुर में निर्मित 24 आवासों के आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर हितग्राहियों को आवास दिया जा चुका है। लाटा के आवासों का आवंटन की प्रक्रिया जारी है।

नियमितीकरण के संबंध में बताया गया कि अब तक 1677 प्रकरणों की मंजूरी मिल चुकी है। जिसमें 1,314 आवासीय और 263 प्रकरण गैर आवासीय है।

बिलासपुर से पकड़ाए भिलाई के सटोरिए, चार लैपटॉप 23 मोबाइल सहित एटीएम व चेकबुक जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महादेव बुक, रेड्डी अन्ना जैसे ऑनलाइन ऐप के जरिए सट्टा खिलाने वाले सटोरियों को जामुल पुलिस ने बिलासपुर से गिरफ्तार किया है। बिलासपुर जिले के राजकिशोर नगर क्षेत्र में महादेव बुक 128 एवं रेड्डी बुक-421 नाम के ब्रांच में 02 पैनल का संचालन हो रहा था। पुलिस को पुराने केस के इनपुट से इनकी जानकारी मिली और जामुल पुलिस ने बिलासपुर पुलिस के सहयोग से कुल सात सटोरियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों से पुलिस ने 4 लेपटॉप, 23 मोबाईल, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं अन्य दस्तावेज बरामद किया है।

दुर्ग पुलिस लगातार ऑनलाइन सट्टा के कारोबार पर नजर रखे हुए है। दो दिन पहले भी पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले आरोपियों को पकड़ा था। इन आरोपियों से बिलासपुर में उनका एक अन्य ब्रांच संचालित होने की जानकारी मिली। इसके बाद एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट प्रभारी निरीक्षक संतोष मिश्रा एवं थाना प्रभारी जामुल निरीक्षक याकूब मेनन के नेतृत्व में विशेष टीम द्वारा सूचना के आधार पर बिलासपुर के राजकिशोर नगर पर एक किराये के मकान में दबिश देकर ऑन-लाईन सट्टा महादेव ब्रांच क्रमांक 121 एवं रेड्डी बुक क्रमांक 421 का संचालन कर रहे 07 आरोपियों को पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपियों में शैलेन्द्र सिंह निवासी सुपेला भिलाई, जसवंत सिंह निवासी शांति नगर सुपेला भिलाई, रोशन सिंह निवासी सेक्टर 04 भिलाई, निलेश कुमार निवासी ग्राम सोनहट कोरिया, मनीष टारोन भिलाई, भूपेन्द्र कुमार सेक्टर 05 भिलाई व दीपक सिंह निवासी जिला बागपत उत्तर प्रदेश शामिल है। उक्त ब्रांच के आरोपियों के कब्जे से 04 नग लेपटॉप, 23 नग मोबाईल, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं दस्तावेज जप्त किया गया जो कि ऑन लाईन सट्टे के कारोबार में उपयोग में लाया जा रहा था। हिरासत में लिये गये व्यक्तियों पर वैधानिक कार्यवाही थाना जामुल से की जा रही है। उक्त कार्रवाई में एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट से एएसआई पूर्ण बहादुर, आरक्षक अनुप शर्मा, जुगनू सिंह, समीम खान, शिव मिश्रा व थाना जामुल से एएसआई इमानवेल खलखो, प्रधान आरक्षक विजय साहू, आरक्षक अरविंद यादव की सराहनीय भूमिका रही।

बहन की पिटाई होता देख जीजा की चाकू मारकर कर दी हत्या, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में बीती रात साले ने अपने जीजा की हत्या कर दी। जीजा उसकी बहन से मारपीट कर रहा था और साला पहुंचा और काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं माना और चाकू गोदकर जीजा की हत्या कर दी। यह पूरा मामला सरकंडा थाना क्षेत्र के देवनंदन नगर की है। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के मुताबिक, बीती रात मृतक अजय शर्मा का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। इस बात की जानकारी मिलने पर मृतक का साला संजीव वाजपाई मौके पर पहुंचा और विवाद शांत करने की कोशिश करने लगा। इस दौरान भी अजय शर्मा अपनी पत्नी से विवाद और मारपीट करता रहा। बहन की पिटाई होता देख गुस्साए भाई ने अपने जीजा पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में मृतक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, आरोपी को भी घटना के दौरान चोट लगी, जिसे उपचार के लिए बिलासपुर सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस जांच में पता चला है कि मृतक संजय शर्मा अपनी पत्नी से आये दिन विवाद और गाली-गलौज करता था। रोज रोज के विवाद से महिला का भाई भी परेशान था और घटना वाले दिन इसी गुस्से में जीजा पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जांजगीर चांपा में बिल्डर के घर लाखों की चोरी, अमरकंटक घूमने गया था परिवार इधर चोरों ने कर दिया कांड

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक बिल्डर के घर पर लाखों की चोरी का मामला सामने आया। बिल्डर अपने पूरे परिवार के साथ अमरकंटक घूमने गया था और इधर चोरों ने घर पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। रविवार सुबह बिल्डर अपने परिवार के साथ घर पहुंचा तो उसे चोरी का पता चला। मामले की शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बिल्डर ने बताया कि अलमारी से लगभग 10 लाख के जेवर व दो लाख रुपए नगदी चोर ले गए।

मिली जानकारी के अनुसार मामला सिटी कोतवाली जांजगीर का है। पुलिस ने बताया कि नैला के वार्ड नंबर 18 निवासी बिल्डर आशीष गौरहा शनिवार को परिवार के साथ अमरकंटक घूमने के लिए गए थे। रात को वे देर होने के कारण नहीं लौटे। इस बीच रविवार की सुबह उन्हें पड़ोसियों से सूचना मिली कि उनके गेट का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलने के बाद घर पहुंचे तो देखा कि अलमारी में रखा

12 तोला सोने के जेवर, आधा किलो चांदी और पुराने जेवर जिनकी कीमत लगभग 10 लाख रुपए व दो लाख नगदी रकम चोरी हो गई।

सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई है। वहीं बिलासपुर से फॉरेंसिक टीम भी आ गई है। टीम ने दरवाजे, टूटे ताला, अलमारी और चोरी किए गए गहनों के पाउच से फिंगर प्रिंट लिए हैं। बिल्डर आशीष गौरहा के घर से कुछ दूरी पर एक सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है। बताया जा रहा है की देर रात एक सफेद रंग की स्कूटी में तीन लोग जाते नजर आए हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस संदेहियों की तलाश में जुट गई है।

फाइनेंस कंपनी के मैनेजर पर चाकू से हमला, लूट ली बाइक: नकाबपोश तीन युवकों ने की लूट

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में बाइक सवार नकाबपोश तीन युवकों ने माइक्रो फाइनेंस कंपनी के ब्रांच मैनेजर को चाकू मार दिया और उसकी बाइक लूट कर भाग गए। मैनेजर बाइक में सवार होकर अपनी पत्नी से मिलने ससुराल जा रहा था। तभी रास्ते में लुटेरों ने उनका पीछा किया। इस दौरान कच्ची सड़क में उसकी बाइक फिसल कर गिर गई, तब युवकों ने उसे घेरकर हमला कर लूटपाट कर दिया। इस दौरान मैनेजर ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र की है।

माखन लाल पटेल मूलतः पचपेड्डी क्षेत्र के बोहारडीह का रहने वाला है। वह कोरबा में स्पंदना स्पूर्ति माईक्रो फाइनेस कंपनी में घुरसिया में ब्रांच मेनेजर पद पर कार्यरत है। शनिवार की शाम वह ड्यूटी करने के बाद अपनी बाइक में सवार होकर पत्नी ईशा पटेल से मिले ग्राम सोन स्थित ससुराल जाने के लिए निकला था। वह कोरबा से कटघोरा होते हुए अकलतरा के रास्ते पामगढ़ के ग्राम ससहा होते हुए पचपेड़ी क्षेत्र स्थित ग्राम सोन जा रहा था। रात करीब 9 बजे वह ग्राम ससहा से निकला था। उसी समय बाइक सवार तीन नकाबपोश युवक उसका पीछा कर रहे थे। अभी वह ग्राम सोन स्थित हाईस्कूल के पास पहुंचा था। तभी कच्ची सड़क पर बाइक फिसलने से वह गिर गया। इतने में बाइक सवार युवक आए और उसे घेर लिया।

युवक रविवार को पचपेड़ी थाने पहुंचा। उसने बताया कि रात करीब 9.10 बजे नकाबपोश युवकों ने उसे घेर लिया और उसके दोनों पैर में चाकू मार दिया। वह बचने के लिए आगे बढ़ा तो बाइक की चाबी निकाल ली और फिर उसे धमकाते हुए बाइक लूटकर भाग गए।

इस दौरान युवक ने लुटेरों से बाइक की चाबी मांगी, तब उसे धमकाने लगे और बोले कि चाबी लोगे तो ठीक नहीं होगा। युवकों ने उसे जान से मारने की धमकी दी, जिसके बाद युवक चिल्लाने लगा, तब उन्होंने चाकू मार दिया और बाइक लेकर भागने लगे। सूनसान जगह पर बीच-बचाव करने के लिए कोई नहीं था। लिहाजा, घायल युवक किसी तरह अपने ससुराल पहुंचा और फिर दूसरे दिन थाने पहुंच कर शिकायत की। उसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है।

महिला डॉक्टर से आरक्षक पति सहित ससुराल वालों ने की मारपीट, शादी के बाद पहली बार पहुंची थी ससुराल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में लव मैरीज के दो साल बाद ससुराल पहुंची महिला डॉक्टर से बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। महिला डॉक्टर से उसके आरक्षक पति सहित सास-ससुर सहित अन्य लोगों ने मारपीट की है। यहीं नहीं डॉक्टर के ड्रायवर को भी बंधक बना लिया गया। किसी तरह महिला डॉक्टर इनसे बचकर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले में ससुराल पक्ष के 9 लोगों के खिलाफ

अपराध दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार बलरामपुर के वाड्रफानगर में पदस्थ महिला डॉक्टर संजना ने 2021 में जिले में ही पदस्थ सूरजपुर के बसदेई निवासी कांस्टेबल अविनाश वैष्णव से कोर्ट मैरिज की थी। कोविड काल में एक साथ ड्यूटी के दौरान दोनों में नजदीकियां बढ़ी थी। शादी के बाद आरक्षक अविनाश ने संजना को कह दिया कि उनकी शादी से परिवार वाले नहीं मान रहे है। इस बीच 21 जून को डॉ. संजना को पता चला कि उसका पति अविनाश वैष्णव अपने घर बसदेई गया है।

इसके बाद डॉ संजना भी अपने ड्राइवर के साथ अपने पति के घर पहुंची और उनके घर पर अपनी शादी की बात बताई। यह सुनना था कि उसके ससुराल वाले इतने नाराज हुए कि महिला डॉक्टर की बेरहमी से पिटाई कर दी। बताया जा रहा है इस दौरान महिला डॉक्टर को कार से निकालकर घसीटते हुए पीटा गया। महिला डॉक्टर किसी तरह से उनके चंगुल से छूटकर बसदेई पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई। बसदेई पुलिस ने जांच के बाद आरक्षक अविनाश वैष्णव, वीरेंद्र वैष्णव, मोहन वैष्णव, सुनील वैष्णव, लीला वैष्णव, निशा वैष्णव, डाली वैष्णव, रवि वैष्णव सहित नौ लोगों के खिलाफ धारा 147, 294, 323, 342, 427, 506 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। चौकी प्रभारी बृजेश यादव ने बताया कि महिला की डॉक्टर की शिकायत के बाद अपराध दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है एवं जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

रायपुर में देर रात सड़क हादसा, खड़े ट्रक से टकराई बेकाबू बाइक, दो की मौत

रायपुर। रायपुर में देर रात हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई है। बाइक में 3 युवक सवार होकर रविवार को घूमने निकल थे। इस बीच अनियंत्रित होकर बाइक खड़े ट्रक में घुस गई। घटना के बाद तीनों युवक ट्रक के नीच फंस गए थे। मठपुरैना निवासी अमित साहू और उसके दोस्त की मौत हुई है। बीच में बैठे युवक को चोट नहीं आई है। हादसा रायपुर के बोरियाखुर्द तालाब के पास पेट्रोल पंप के ठीक सामने रात 10 से 11 बजे के बीच हुआ था। राहगीर भी घटना की जगह पर जमा हो गए

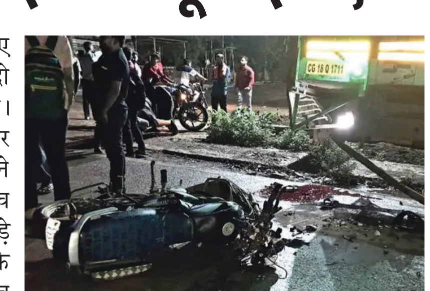

थे। इसके बाद ट्रक के नीचे से युवकों को बाहर निकाला गया।

लोगों ने युवकों के पास गिरे उनके मोबाइल फोन को चेक किया। एक फोन से इनके परिजनों से संपर्क करके हादसे की जानकारी दी। कॉल रिसीव करने वाले ने रॉन्ग नंबर कहकर पहले फोन काट दिया। बार-बार कॉल करने पर परिजन गंभीर हुए। हादसे में मारे गए एक युवक अमित साहू का मकान मालिक मौके पर पहुंचा, उसने बताया कि ये सभी मठपुरैना इलाके के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि राहगीर और पुलिस एम्बुलेंस को लगातार कॉल करते रहे। 20 मिनट से अधिक समय बीतने के बाद एम्बुलेंस आई। टिकरापारा पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंचकर युवकों की बाइक को थाने ले गई है। फिलहाल हादसे की जांच की जा रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

शाला प्रवेश उत्सवः नन्हे मुन्ने बच्चों को तिलक लगाकर व मिठाई खिलाकर नई कक्षा में किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुवात हो गई है,बच्चे नए नए ड्रेस और बैग के साथ उत्साहपूर्वक स्कूल पहुँचे. सोमवार को नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत दीपक नगर आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम अतिथि के रूपविधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल,सभापति राजेश यादव,पिछड़ावर्ग आयोग उपाध्यक्ष आर.एन. वर्मा,पूर्व विधायक प्रतिमा चन्द्राकर व पार्षद शामिल हुए।

दीपोत्सव की तर्ज पर शिक्षा दीप जलाए गए ।कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महापौर धीरज बाकलीवाल ने माता सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।साथ ही छात्र छात्राओं को तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर नई कक्षा में स्वागत किया गया ।नए शिक्षा सत्र प्रारंभ के साथ महापौर व सभापति ने बच्चों को पुस्तक,गणवेश और 52 बच्चो को साइकिल का किया वितरण ।इस दौरान विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल ने बच्चों को शाला प्रवेश की शुभकामनाएं दी ।विधायक अरुण वोरा ने बच्चो से मुलाकात,विधायक ने आशा व विश्वास व्यक्त की है सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ ,शाला प्रवेशोत्सव को सार्थक बनाते हुए नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ शिक्षा दान के कार्य मे पूरे समर्पण के साथ जुटे जाएंगे, सभी मिलकर शिक्षित दुर्ग (छत्तीसगढ़) बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे ।कार्यक्रम में महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा संबोधित करते हुए कहा की शिक्षा हमारे जीवन स्तर पर सुधारती है और शिक्षा से ही हमारी पहचान बनती है हम शिक्षा पाकर अपना और देश का भविष्य उज्जवल बना सकते हैं । साथ ही उन्होंने कहा कि आप सभी को अपने शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए जिसके लिए हमारे अपने शरीर की स्वच्छता के लिए हमें ध्यान देना होगा ।इसके अलावा सभापति राजेश यादव ने कहा बच्चो, स्वास्थ्य शरीर से ही स्वस्थ मन की उत्पत्ति होती है हमें सुबह उठकर योगाभ्यास और पढ़ाई करना चाहिए जो कि हमारे लिए सफ्लता का रास्ता साबित होगा ।इस अवसर पर पार्षद मीना सिंह,विजेंद्र भारद्वाज,नरेश तेजवानी, अजय गुप्ता,स्कूल की प्राचार्या श्रीमती शेफाली सोनी,मनीषा अवस्थी,सुनील सिंह,नेहा के अलावा समस्त शाला स्टॉप आदि मौजूद रहें।

शाला प्रवेशोत्सव पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के संदेश का वाचन भी किया गया है ।राज्य शासन के निर्देश स्कूलों में दस दिनों के भीतर जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शाला प्रबंधन समिति, पालकों को बुलाकर समारोह आयोजित करना है।

विद्यार्थी अच्छी पढ़ाई से मनोवांछित सफलता हासिल करे- वोरा

नए शिक्षा सत्र में शहर के स्कूलों में शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर वरिष्ठ विधायक अरुण वोरा ने छात्र-छात्राओं का स्वागत व अभिनंदन किया। प्रवेश के प्रथम दिन स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी व हिन्दी मिडियम स्कूल दीपक नगर, आदर्श कन्या शाला, जेआरडी, चंद्रशेखर आजाद स्कूल एवं पटरीपार तितुरडीह में इस वर्ष प्रारंभ होने वाले स्वामी आत्मानंद स्कूल में जाकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया। साथ ही शिक्षकों को शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता को सुधारने में लगातार प्रयास करने कहा। नए सत्र में स्कूल खुलते ही बच्चों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश इत्यादि प्रदान किया गया।

खास - खबर

महिला कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में मंजू वोरा ने पदाधिकारियो को दिए कार्यकारिणी व नियुक्ति पत्र देकर किया सम्मान

दुर्ग। दुर्ग शहर महिला कांग्रेस की कार्यकारिणी एवं नियुक्ति पत्र वितरण किया गया श्रीमती कन्या ढीमर अध्यक्ष शहर महिला कांग्रेस के नेतृत्व में किया गया ।इस अवसर पर विशेष रुप से शहर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अरुण वोरा की धर्मपत्नी श्रीमती मंजू वोरा के हाथो से सभी नवनियुक्त शहर महिला कांग्रेस दुर्ग के पदाधिकार्यो को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एवं सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि पूरी निष्ठा और ईमानदारी मेहनत और लगन से शहर महिला कांग्रेस संगठन का काम करने की बात कही। साथ ही कांग्रेस पार्टी संगठन को मजबुत करने का विश्वास दिलाया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस कार्यक्रम में श्रीमती प्रीती साहू मीडिया प्रभारी दुर्ग शहर महिला कांग्रेस के अलावा श भूमिका देशमुख सीता टंडन शबाना निशा रानी खिलेश्वरी देवांगन संतोषी बंछोर प्रीति साहू जया ठाकुर धनवंती निषाद पिंकी झा कुंती बर्वे मीना मानिकपुरी अन्य पदाधिकारियो ने आभार व्यक्त किया।

ज्ञान-विज्ञान के लिये दुनिया भारत की ऋणी- आचार्य शर्मा

भिलाई। इस्पात नगरी के शिक्षाविद् और संस्कृति मर्मज्ञ आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा ने शासकीय दू.श्री.वै.स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय रायपुर में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में विशेषज्ञ अतिथि के रूप में अपनी भागीदारी दी। इस दौरान संस्कृत वांग्मय और बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषय पर बोलते हुए आचार्य डॉ.शर्मा ने बताया कि ज्ञान - विज्ञान के लिये पूरी दुनिया भारत की ऋणी है। योग विश्वविद्यालय मुंगेर में दुनिया के 50 विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर महामृत्युंजय मन्त्र और गायत्री मंत्र आदि की ऊर्जा और टेलीपैथी पर काम कर रहे हैं। कुलपति स्वामी निरंजनानन्द छत्तीसगढ़ से हैं। उधर अमेरिका में अपनी न्यूरो साइंसेज संस्था में प्रो. मार्गन के जाप से चिकित्सा में चमत्कार दिखा रहे हैं। आई.आई.टी.कानपुर जैसी संस्थाएं गीता आदि पर बड़ा काम कर ही रही हैं। डा.शर्मा ने युवा वर्ग का आह्वान किया कि इसी पृष्ठभूमि पर भारत को पुन: विश्व गुरु और सोने की चिड़िया बनायें। प्राचार्या डॉ.राधा पाण्डेय एवं ज्योतिष विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.शिवेश्वर उपाध्याय ने आचार्य डॉ.शर्मा को प्रतीक चिह्न , श्रीफल और पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस संगोष्ठी में मुख्य विशेषज्ञ के रूप में पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलपति प्रो.विजय कुमार मेनन,शा.संस्कृत महाविद्यालय ग्वालियर के डा.बालकृष्ण शर्मा, छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्या मण्डल छत्तीसगढ़ शासन के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) डॉ.सुरेश कुमार शर्मा , सागर के डा. नैनिहाल गौतम, राजनांदगांव की डा.सुषमा तिवारी और डा.दिव्या देशपाण्डेय सहित अन्य उपस्थित थे। यह राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी प्राचार्या डॉ.श्रीमती राधा पाण्डेय की अध्यक्षता और डा. राघवेन्द्र शर्मा , डा.वैभव बसंत कान्हे एवं डॉ.संतोष शर्मा आदि के सहयोग से सम्पन्न हुई।

पत्रकार कल्याण महासंघ ने डॉक्टर विश्वनाथ पाणिग्राही को समाज सेवा सर्वश्रेष्ठ सम्मान प्रदान किया

दुर्ग। पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश स्तरीय दो दिवसीय पत्रकार सम्मेलन एवम सम्मान समारोह राजनांदगांव के महापौर श्रीमती हेमा देशमुख के मुख्य आतिथ्य में राजनांदगांव के भव्य आडिटोरियम में संपन्न हुआ ।इस सम्मेलन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। इस कड़ी मे डॉ विश्वनाथ पाणिग्राही को समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए समाज सेवा सर्वश्रेष्ठ सम्मान प्रदान किया गया।

आचार्य श्री महाश्रमण की विदुषी शिष्या डॉक्टर समणी ज्योतिप्रज्ञा के सानिध्य में लोगस्स कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या डॉक्टर समणी ज्योतिप्रज्ञा के सानिध्य में लोगस्स कार्यशाला का आयोजन हुआ। संसार समुद्र से पार करने के लिए लोगस्स चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति आज के युग में सशक्त माध्यम है। लोगस्स पाठ से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक लाभ होता है।

जीवन व्यवहार में खुशी का माहौल पैदा होता है। नकारात्मक ऊर्जा व बुरी शक्तियों को लोगस्स के द्वारा नष्ट किया जा सकता है। लोगस्स स्वयं सिद्ध मंत्र है जो आत्मिक आनंद व आरोग्य प्रदान करता है। प्रोजक्ट के माध्यम से लोगस्स को शानदार तरीके से समझाया गया। मंगलाचरण वीरं वीरं का जाप जपे, वीडियो के माध्यम से हुआ। डॉक्टर समणी मानसप्रज्ञा ने ध्यान का प्रयोग करवाया। सऊदी अरब से समागत तत्वज्ञानी स्वाति बरड़िया का साहित्य से सम्मान किया गया ।

स्वाति बरड़िया ने अपने विचार रखते हुए कहां हम अनार्य देश में है। देव गुरु धर्म के प्रताप व आपके आशीर्वाद से हम भारतीय संस्कृति व जैन धर्म से जुड़े हुए हैं। महिला मंडल अध्यक्ष आशा जी ने स्वाति बरड़िया का परिचय दिया। उपस्थित धार्मिक भाइयों एवं बहनों ने ओम अरहम की ध्वनि से माहौल को सुंदरतम बनाया।

डायरिया पर नियंत्रण रखने 4 जुलाई तक बांटे जा रहे ओआरएस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहरी स्वास्थ्य केंद्र गांधी नगर निगम चरोदा भिलाई-3 में निगम स्वास्थ्य प्रभारी एमआईसी सदस्य श्रीमती देव कुमारी भल्लावी द्वारा गहन डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा 20 जून को ओ आर एस वितरण का शुभारंभ किया गया।

बीईटीओ व स्वास्थ्य सुपरवाइजर सैय्यद असलम ने बताया कि खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष शर्मा व मेडिकल ऑफिसर डा भुवनेश्वर कठौतिया प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ कीर्ति तिर्की ने दस्त प्रबंधन नियंत्रण पखवाड़ा के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दस्त खतरनाक रूप धारण कर लेता है जब लापरवाही बरती जाए क्योंकि निर्जलीकरण का समय पर प्रबंधन नहीं होने से मृत्यु तक हो सकती है।

मुख्य अतिथि देव कुमारी भल्लावी ने कहा शासन द्वारा 20 जून से 4 जुलाई तक 0 से 5 वर्ष बच्चों को दस्त से बचाव करने मितानिन दीदी द्वारा ओ आर एस पैकेट वितरित किए जाएंगे। बीईटीओ स्वास्थ्य सुपरवाइजर सैय्यद असलम ने बताया कि हमारा उद्देश्य है नवजात शिशुओं को डायरिया से मृत्यु को रोकना है।

आदेश हुआ जारी

निगम कर्मचारियों का हुआ स्थानांतरण तो किसी को मिली नई जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया है तथा कुछ कर्मचारियों को नई जिम्मेदारी भी दी गई है। निगम आयुक्त रोहित व्यास ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है ।आदेश के अनुसार कुलदीप कुमार गुप्ता प्रभारी कार्यपालन अभियंता को परियोजना शाखा के दायित्व के साथ-साथ जोन क्रमांक 2 वैशाली नगर में प्रभारी कार्यपालन अभियंता का दायित्व सौंपा गया है। विश्वजीत सेनगुप्ता डाटा एंट्री ऑपरेटर को वैशाली नगर जोन क्रमांक 2 कार्यालय से स्थानांतरित करते हुए जोन क्रमांक एक नेहरू नगर में लेखापाल की जिम्मेदारी दी गई है।

मनोज सिंह ठाकुर अधीक्षण अभियंता को उनके वर्तमान कार्यों के साथ-साथ दुर्ग जिला अर्बन पब्लिक सर्विस सोसायटी, सिटी बस योजना, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना, निदान 1100, लोक सेवा गारंटी, ई गवर्नेंस, पीएम गति शक्ति योजना तथा कंप्यूटर शाखा का नोडल अधिकारी बनाया गया है। अर्पित बंजारे उप अभियंता को वाहन शाखा के कार्य को सुचारू रूप से संचालन हेतु जिम्मेदारी दी गई है। विनय कुमार मेश्राम स्वच्छता पर्यवेक्षक को जोन क्रमांक 2 से राजस्व विभाग में लिपिकीय कार्य, दिनेश कुमार बेलचंदन चौकीदार को योजना विभाग से राजस्व विभाग में लिपिकीय कार्य, हरिओम गुप्ता सहायक राजस्व निरीक्षक को राजस्व विभाग के लिपिकीय कार्य से राजस्व विभाग में तोड़फोड़ एवं रोका का अभियान हेतु, रामदयाल बारले सफाई कामगार को जोन क्रमांक 3 से अधीक्षण अभियंता कक्ष, रोशनलाल टंडन भृत्य को अधीक्षण अभियंता कक्ष से डाटा सेंटर विभाग, अंजनी सिंह हेल्पर क्लीनर को वैशाली नगर जोन कार्यालय से जोन क्रमांक 3 मदर टैरेसा नगर में प्रभारी सहायक स्वच्छता निरीक्षक के कार्य हेतु, सुदामा परगनिहा पंप सहायक को मदर टेरेसा नगर से जोन क्रमांक 4 शिवाजी नगर में प्रभारी सहायक जोन स्वास्थ्य अधिकारी, यशवंत मछीरखे स्वच्छता पर्यवेक्षक शिवाजी नगर को जोन क्रमांक 5 सेक्टर 6 में प्रभारी सहायक जोन स्वच्छता निरीक्षक तथा हेमंत माझी स्वच्छता पर्यवेक्षक को जोन क्रमांक 5 से जोन क्रमांक 2 वैशाली नगर में प्रभारी सहायक स्वच्छता निरीक्षक के कार्य हेतु आदेशित किया गया है।

छत्तीसगढ़ी महतारी की अनूठी सेवा, बिना सरकारी मदद दे रहे चिन्हारी सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साहित्यकार और भिलाई स्टील प्लांट के रिटायर कर्मी दुर्गा प्रसाद पारकर में छत्तीसगढ़ी को भाषा के तौर पर स्थापित करने जुनून है। पारकर उम्र के छठवें दशक में सक्रिय रहते हुए छत्तीसगढ़ी में लगातार लिख रहे हैं। अब तक उनकी 150 से ज्यादा कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें उपन्यास, कहानी, कविता व अनुवाद सहित आलेख शामिल है। पारकर विगत वर्ष 2001 से बगैर किसी सरकारी मदद के खुद के खर्च पर छत्तीसगढ़ी सेवियों को चिन्हारी सम्मान भी दे रहे हैं। पारकर का कहना है कि वह छत्तीसगढ़ी को भाषा के तौर पर स्थापित करने और इसे समृद्ध करने अपनी तरफ से छोटी सी पहल कर रहे हैं। इन दिनों पारकर अपने सालाना चिन्हारी सम्मान समारोह की तैयारियों में जुटे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में एमए छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम शुरू करवाने में भी दुर्गा प्रसाद पारकर की उल्लेखनीय भूमिका रही है। वहीं दुर्ग हेमचंद विश्वविद्यालय में उनका लिखा उपन्यास एमए पाठ्यक्रम में शामिल है। मूलत: बेलौदी (मालूद) गांव के रहने वाले और वर्तमान में आशीष नगर रिसाली में निवासरत पारकर ने बताया कि उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र में अपना पूरा सेवाकाल प्लेट मिल में दिया और सेवा के दौरान ही उन्हें महसूस हुआ कि छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा के लिए हमेशा सरकार की ओर देखना ठीक नहीं है। आखिर हमारी भी तो कुछ जवाबदारी होती है और इसी प्रण के तहत उन्होंने अपने लेखन के अलावा छत्तीसगढ़ी सेवियों को चिन्हारी सम्मान देने प्रण लिया। इसके बाद 2001 से इसकी शुरुआत की। इसके लिए उन्हें घर-परिवार से भी अभूतपूर्व समर्थन मिला। उन्होंने बताया कि दो दशक से जारी इस सम्मान समारोह में सिर्फ विगत वर्ष ऐसा अवसर आया, जिसमें छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग ने उनके आयोजन में सहयोग किया, अन्यथा वह हमेशा अपने स्तर पर ही यह कार्यक्रम करते आए हैं और आगे भी ऐसे ही करते रहेंगे। पारकर का कहना है कि इससे उन्हें आत्मिक संतुष्टि मिलती है कि वह अपनी छत्तीसगढ़ महतारी के लिए कुछ कर पा रहे हैं। पारकर ने बताया कि उन्होंने प्रख्यात व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की रचनाओं का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद किया है और वर्तमान में प्रख्यात साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद के उपन्यासों का छत्तीसगढ़ी अनुवाद कर रहे हैं।

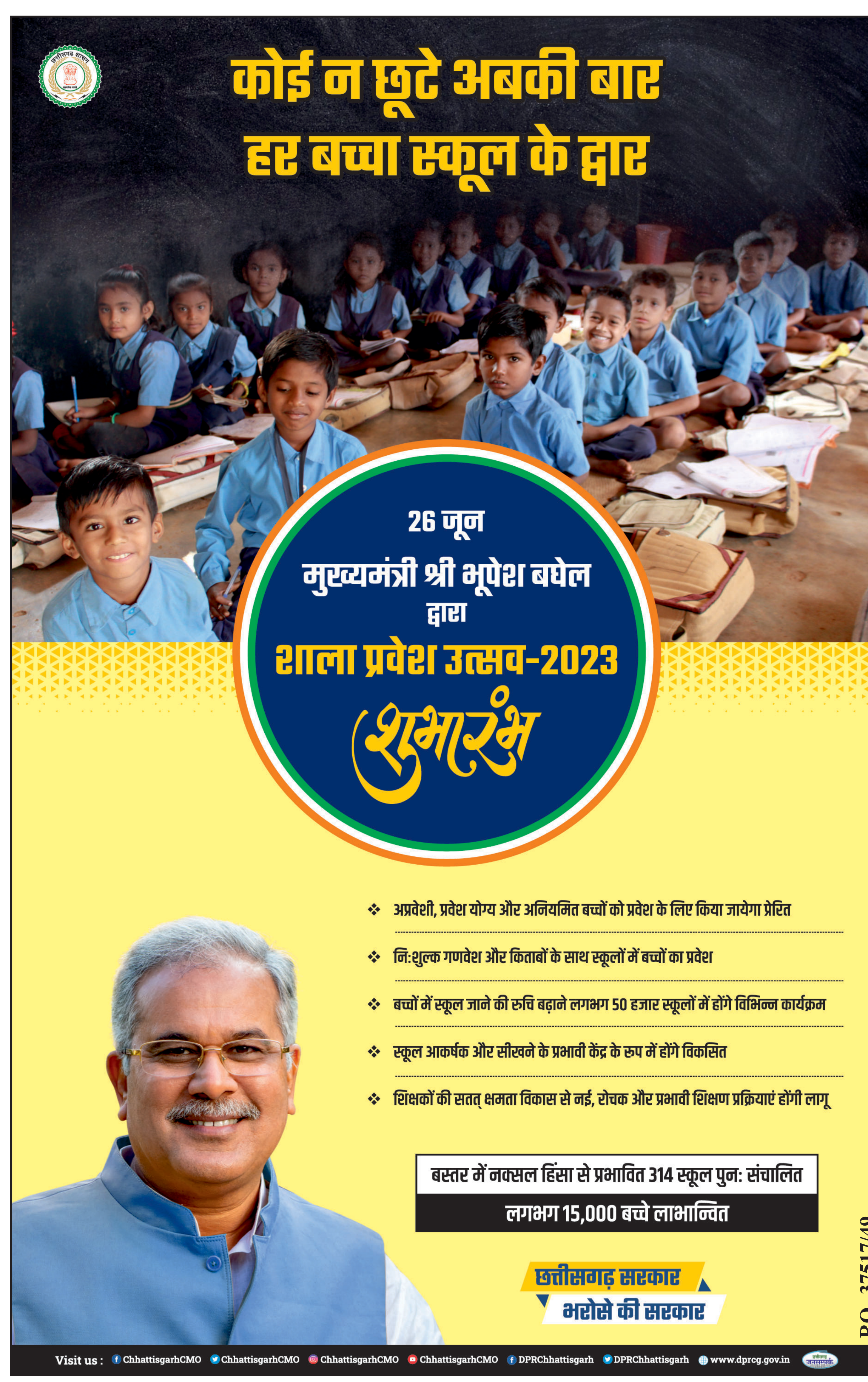

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950